www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, रविवार
17 मई 2026
वर्ष: 49
अंक: 26 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

कोलकाता में सड़क पर नमाज को लेकर तनाव

- पुलिस ने खाली कराया इलाका भारी सुरक्षा बल तैनात

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के राजाबाजार इलाके में शुक्रवार को उस समय तनाव की स्थिति पैदा हो गई जब कुछ लोगों ने सड़क पर नमाज अता करने की कोशिश की। हाल ही में सुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली नई सरकार ने सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह की धार्मिक गतिविधियों पर रोक लगाई है। स्थिति तब बिगड़ गई जब सड़क खाली कराने के लिए पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों ने इसका विरोध किया। विरोध कर रहे लोगों का कहना था कि यह पुरानी परंपरा है। जबकि प्रशासन का तर्क था कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सार्वजनिक रास्तों को खाली रखना जरूरी है। बाद में पुलिस ने सड़क खाली करा दी और ट्रैफिक को सामान्य कर दिया गया। अधिकारियों ने

बताया कि फिलहाल इलाके में स्थिति नियंत्रण में है। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर बड़ी संख्या में पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान तैनात किए हैं। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, पुलिस की ओर से अब तक इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। गौरतलब है कि ममता बनर्जी सरकार के दौरान सड़कों पर नमाज और अन्य धार्मिक गतिविधियों की अनुमति थी लेकिन नई सरकार ने इससे आम लोगों को होने वाली असुविधा को देखते हुए सख्त रुख अपनाया है। भाजपा सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री ने कैबिनेट बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए थे कि नमाज केवल मस्जिदों के भीतर ही अता की जाए और सड़कों पर इस तरह की गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद राज्य की पुलिस ने पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी को सोशल मीडिया साइट एक्स से अनफॉलो कर दिया है। राज्य की पुलिस अब अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट से केवल 44 लोगों को ही फॉलो करती है, जो राज्य में सत्ता परिवर्तन की सच्चाई बयां कर रही है। कोलकाता पुलिस अब नए मुख्यमंत्री और कुछ अन्य लोगों को एक्स पर फॉलो करती है।

ईरान पर अगले हफ्ते दोबारा हमले की तैयारी में अमेरिका

- 50 हजार सैनिक और युद्धपोत तैनात, ट्रम्प के फैसले का इंतजार

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिका अगले हफ्ते ईरान पर दोबारा सैन्य हमले की तैयारी कर रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट्स के मुताबिक, पेंटागन ने हमले के कई विकल्प तैयार किए हैं और अब अंतिम फैसला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को लेना है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि जरूरत पड़ने पर सैन्य कार्रवाई बढ़ाने की योजना तैयार है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, हमले के विकल्पों में ईरान के सैन्य और इंफ्रास्ट्रक्चर ठिकानों पर बड़े हवाई हमले शामिल हैं। एक विकल्प अमेरिकी स्पेशल ऑपरेशन

फोर्सेज को जमीन पर उतारकर इस्फहान परमाणु साइट में दबे परमाणु सामग्री यानी एनरिच्ड यूरेनियम तक पहुंचने का भी है। हालांकि अधिकारियों ने माना कि ऐसा ऑपरेशन बेहद जोखिम भरा होगा और इसमें भारी सैन्य नुकसान हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने मिडिल-ईस्ट में 50 हजार से ज्यादा सैनिक तैनात रखे हैं। इसके अलावा दो एयरक्राफ्ट कैरियर, एक दर्जन से ज्यादा नेवी डेस्ट्रॉयर और बड़ी संख्या में लड़ाकू विमान भी क्षेत्र में मौजूद हैं। करीब 5 हजार मरीन और 82वीं एयरबोर्न डिवीजन के 2 हजार पैराट्रूपर्स भी आदेश का इंतजार कर रहे हैं।

महंगाई सिर्फ युद्ध की वजह से नहीं

ईरान के गृह मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने माना है कि देश में सामानों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हुई है और इसके पीछे सिर्फ युद्ध नहीं, बल्कि घरेलू आर्थिक कमियां भी जिम्मेदार हैं। मंत्रालय के प्रवक्ता अली जैनिवंद ने कहा कि कुछ चीजों की कीमतें बेहद ज्यादा बढ़ी हैं और इसे नकारा नहीं जा सकता। सरकार ने ऐसे कई क्षेत्र चिन्हित किए हैं जहां कीमतों को नियंत्रित किया जा सकता है और जिनका सीधा संबंध युद्ध से नहीं है।

- *मां वाग्देवी की पूजा हुई, श्रद्धालु बोले-सालों बाद बिना रोक-टोक दर्शन हो रहे*

हाईकोर्ट के फैसले के बाद

भोजशाला में हनुमान-चालीसा पाठ

धार (एजेंसी)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने धार स्थित विवादित भोजशाला-कमाल मौला परिसर को राजा भोज के समय का वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर माना है। कोर्ट ने हिंदू पक्ष को यहां पूजा का अधिकार दे दिया है। फैसले के बाद शनिवार सुबह श्रद्धालुओं और अलग-अलग समितियों के पदाधिकारियों ने शांतिपूर्ण माहौल में भोजशाला पहुंचकर दर्शन और पूजा-अर्चना की। लोगों ने हनुमान चालीसा का पाठ भी किया। हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने बताया कि हाईकोर्ट ने 7 अप्रैल 2003 के आदेश को आंशिक रूप से निरस्त कर दिया है। इस आदेश में मुस्लिम समुदाय को शुक्रवार को तय अवधि के लिए नमाज की अनुमति दी गई थी।

पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं ने की पूजा-अर्चना- शनिवार सुबह सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच श्रद्धालु और भोज उत्सव समिति के पदाधिकारी परिसर पहुंचे। इनमें संरक्षक विश्वास पांडे, भोजशाला मुक्ति यज्ञ के संयोजक गोपाल शर्मा, श्रीश दुबे, केशव शर्मा और अशोक जैन शामिल थे। सभी ने मां वाग्देवी के स्थान और यज्ञ कुंड के पास पुष्प अर्पित कर दंडवत प्रणाम किया।

श्रद्धालु बोले- भोजशाला मंदिर थी, है और रहेगी

दर्शन के बाद श्रद्धालुओं ने कहा कि सालों बाद उन्हें बिना रोक-टोक पूजा करने का अवसर मिला है। भोजशाला मुक्ति यज्ञ के संयोजक गोपाल शर्मा ने कहा, भोजशाला का कण-कण यह दर्शाता है कि यह एक मंदिर है। मुस्लिम पक्ष की आगे की कानूनी कार्रवाई पर उन्होंने कहा कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट जाने की पूरी स्वतंत्रता है, लेकिन भोजशाला मंदिर था, मंदिर है और हमेशा मंदिर ही रहेगा। फिलहाल पूरे धार शहर और भोजशाला परिसर की स्थिति पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट में 2 कैविएट याचिकाएं दायर की है

मुस्लिम पक्ष के सुप्रीम कोर्ट जाने की संभावना को देखते हुए हिंदू पक्ष ने सर्वोच्च न्यायालय में 2 कैविएट याचिकाएं दायर की हैं। हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने बताया कि हाईकोर्ट ने लंदन के एक संग्रहालय में रखी वाग्देवी की मूल मूर्ति वापस लाने की मांग पर भी विचार किया है। शनिवार को धार पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में फ्लैग मार्च किया गया। मार्च प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा। एडिशनल एसपी विजय डावर ने बताया कि शहर में करीब 1000 पुलिस बल तैनात है। वहीं, भोजशाला परिसर में 100 से अधिक जवानों की तैनाती की गई है। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस बल नजर बनाए हुए है। लोगों से भी शांति और सौहार्द्र बनाए रखने की अपील की है।

मोदी कैबिनेट में फेरबदल की चर्चा तेज

- छोटे राज्यों के नेताओं को मिल सकती है जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनाव में मिली शानदार जीत के बाद अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भीतर और केंद्र सरकार में एक बड़े फेरबदल की अटकलें तेज हो गई हैं। सूत्रों के मुताबिक, नए नियुक्त किए गए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन द्वारा अपनी नई टीम की घोषणा के बाद सरकार में भी बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। केंद्र में अपने दम पर बहुमत से चूकने के बाद भाजपा ने सहयोगियों के समर्थन से सरकार बनाई थी।

- **21 मई की बैठक ने बढ़ाई हलचल-** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 21 मई 2026 को होने वाली मंत्रिपरिषद की बैठक ने इन अटकलों को और हवा दे दी है। हालांकि, एक सरकारी अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, मंत्रिपरिषद की बैठकें नियमित अंतरालों पर होती रहती हैं। इस समय देश मध्य पूर्व के संकट से उत्पन्न चुनौतियों से निपट रहा है, इसलिए ऐसी बैठक होना कोई असामान्य बात नहीं है।

नितिन नवीन के सामने संतुलन की चुनौती

इसी साल जनवरी में भाजपा के सबसे युवा अध्यक्ष बने 45 वर्षीय नितिन नवीन से उम्मीद की जा रही है कि वे अपनी नई टीम में अनुभवी दिग्गजों और युवा चेहरों के बीच एक बेहतरीन संतुलन बिठाएंगे। मंत्रियों के संगठन में लौटने के सवाल पर एक अन्य नेता ने कहा कि जिन मंत्रियों की उम्र एक तय सीमा से अधिक हो चुकी है या जिनका राज्यसभा कार्यकाल समाप्त हो रहा है, उन्हें पार्टी की भूमिका सौंपी जा सकती है। हालांकि, मंत्रियों के कामकाज का आंकलन पूरी तरह से प्रधानमंत्री का विशेषाधिकार है, इसलिए अंतिम फैसला उन्हीं का होगा।

युवाओं और महिलाओं को मिलेगी तरजीह

भाजपा 2027 में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और गुजरात में चुनावी मुकाबले का सामना करेगी। इनमें से पांच राज्यों में भाजपा पहले से ही सत्ता में है। वहीं पंजाब में, शिरोमणि अकाली दल से गठबंधन टूटने के बाद, पार्टी सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के खिलाफ सीधे मुकाबले की तैयारी कर रही है। एक वरिष्ठ नेता ने बताया, केंद्रीय कैबिनेट और राष्ट्रीय टीम में उन पांच राज्यों के चेहरों को शामिल किया जा सकता है जहां अभी चुनाव संपन्न हुए हैं, साथ ही आगामी चुनावी राज्यों को भी प्रतिनिधित्व मिलेगा। चूंकि पार्टी अगले दशक की योजना बना रही है, इसलिए युवाओं की जरूरत है।

यह बेहद संवेदनशील मामला, हमें बहुत चिंता है

अरावली पहाड़ियों को लेकर बोले सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि उसे अरावली पहाड़ियों और पर्वतमाला में खनन को लेकर काफी चिंताजनक प्रतिक्रियाएं मिल रही है, जिसे देखते हुए वह फिलहाल खनन पट्टा धारकों के पक्ष में कोई आदेश पारित नहीं करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में विशेष पारिस्थितिकीय मुद्दे जुड़े हुए हैं और फरवरी में उसने पर्यावरण मंत्रालय तथा अन्य पक्षकारों से अरावली पहाड़ियों और पर्वतमाला की परिभाषा तय करने के लिए एक समिति के वास्ते संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञों के नाम सुझाने को कहा था। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने शुक्रवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध मामले का उल्लेख किए जाने पर कहा, हम इस मामले की टुकड़ों में सुनवाई नहीं करेंगे। जब तक हम पूरी तरह संतुष्ट नहीं हो जाते, तब तक किसी भी गतिविधि की अनुमति नहीं देंगे।

उपलब्धि: भारत में पहली बार पकड़ी गई 'जिहादी ड्रग'

- इसे खाकर आतंकी बन जाते हैं 'लड़ाकू मशीन'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट और टेरर फंडिंग के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। भारत के नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने देश के इतिहास में पहली बार कैप्टागन नामक खतरनाक ड्रग की भारी खेप जब्त की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जानकारी दी है कि ऑपरेशन रेजपिल के तहत 182 करोड़ रुपये की यह खेप पकड़ी गई है। इसे आतंकी नेटवर्क्स में जिहादी ड्रग के नाम से जाना जाता है। केंद्र की मोदी सरकार लंबे समय से नशामुक्त भारत अभियान चला रही है। इसी के तहत एनसीबी ने एक विशेष और गुप्त अभियान ऑपरेशन रेजपिल चलाया था। इस ऑपरेशन के तहत एजेंसियों ने 182 करोड़ रुपये मूल्य का सिंथेटिक ड्रग कैप्टागन जब्त किया है। भारत के भीतर इस विशिष्ट ड्रग की यह अब तक की पहली जब्ती है। यह खेप भारत में खपत के लिए नहीं थी।

- ये आपदाओं का दशक, सामने है बड़ा खतरा

पीएम मोदी बोले-पहले कोविड, फिर युद्ध और अब ऊर्जा संकट

- भारत के चार बड़े लक्ष्य, पीएम ने कहा-हम बड़ा सपना देख रहे

हेग (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीदरलैंड के हेग शहर में प्रवासी समुदाय के कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भारत के चार बड़े लक्ष्यों को लेकर बात की। साथ ही कहाकि भारत बड़े सपने देख रहा है। इस मौके पर पीएम ने ओलंपिक होस्ट करने और भारत के ग्रोथ इंजन बनने समेत चार लक्ष्यों का ऐलान किया। उन्होंने कहाकि आज यहां जो माहौल है उसे देखकर लग रहा है कि द हेग लिविंग सिंबल ऑफ इंडियन फ्रेंडशिप बन गया है। ये दिखाता है कि पासपोर्ट का रंग बदल सकता है, एड्रेस भी बदल सकता है, टाइम जोन भी बदल सकता है लेकिन मां भारती की संतानें नहीं।

- **कई सभ्यताएं मिट गई, लेकिन भारतीय संस्कृति नहीं-** इससे पहले लोगों की जोरदार तालियों और नारों के बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हेग में आयोजित सामुदायिक कार्यक्रम के मंच पर पहुंचे। उन्होंने कहाकि कई सभ्यताएं मिट गई, लेकिन भारत की विविध संस्कृति आज भी लोगों के दिलों में धड़कती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहाकि आज से 12 वर्ष पहले 2014 में 16 मई 2014 कुछ खास हुआ था। 2014 में आज के ही दिन लोकसभा चुनाव के नतीजे आए थे।

- भयानक अलनीनो आ गया! मई से फरवरी 2027 तक ढाएगा कहर...

भीषण गर्मी, कम बारिश, कहीं सूखा तो कहीं बाढ़

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में इस साल सामान्य से कम बारिश के अनुमान के बीच सुपर अल-नीनो भी एक्टिव हो सकता है। अमेरिकी मौसम एजेंसी 'नेशनल ओशेनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन' (नोआ) के अनुसार यह मई-जुलाई के दौरान ही दस्तक दे सकता है। नोआ ने बताया कि प्रशांत महासागर का तापमान इस बार मई में सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। यह गर्मी की स्थिति इस बार पूरे मानसून सीजन के दौरान बनी रह सकती है।

पिछले महीने जारी अनुमान में यह संभावना 61 फीसदी थी, जो अब बढ़कर 82 फीसदी हो गई है। भारतीय मौसम विभाग के चीफ मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि इसका सीधा असर मानसून की बारिश पर पड़ेगा। इससे देश में सूखे का खतरा और ज्यादा बढ़ जाएगा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून के 26 मई, 2026 के आसपास जल्दी आगमन का आधिकारिक पूर्वानुमान लगाया है। यह सामान्य आगमन तिथि 1 जून से पहले है और 2025 सहित हाल के समय में मानसून के जल्दी आगमन की प्रवृत्ति को जारी रखता है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रीय महासागरीय और वायुमंडलीय प्रशासन के ईएनएसओ पूर्वानुमान के अनुसार, अलनीनो के जल्द ही विकसित होने की संभावना है।

अलनीनो के बारे में नए पूर्वानुमान ने डराया

14 मई को प्रकाशित एक नए पूर्वानुमान में, एजेंसी का अनुमान है कि आगामी अलनीनो के अक्टूबर से शुरू होने पर मजबूत या बहुत मजबूत श्रेणी में आने की 65 फीसदी संभावना है, जो इसे रिकॉर्ड किए गए इतिहास में सबसे मजबूत अलनीनो में से एक बना सकता है। अक्टूबर से फरवरी की अवधि के लिए अत्यंत शक्तिशाली अलनीनो यानी समुद्र की सतह के तापमान में 3.6 डिग्री फारेनहाइट (2 डिग्री सेल्सियस) की बढ़ोतरी, जिसे अनौपचारिक रूप से सुपर अलनीनो कहा जाता है। कुछ एक्सपर्ट तो इसे राक्षस तक कहते हैं।

2023-24 को अलनीनो ने बनाया सबसे गर्म साल

दुनिया का सबसे हालिया अलनीनो मई 2023 से मार्च 2024 तक चला और 2024 को अब तक का सबसे गर्म वर्ष बनाने के लिए आंशिक रूप से जिम्मेदार था। क्लाइमेट ब्रीफ के 21 अप्रैल को प्रकाशित जलवायु आकलन के अनुसार, यदि आगामी अलनीनो शक्तिशाली या अत्यंत शक्तिशाली होता है, तो 2027 पिछले रिकॉर्ड को पार कर सकता है। दरअसल, आने वाला अलनीनो खुद ही रिकॉर्ड तोड़ सकता है। अल्बानी विश्वविद्यालय में वायुमंडलीय और पर्यावरण विज्ञान के प्रोफेसर पॉल राउंडी ने 5 मई को एक्स पर लिखा- 1870 के दशक के बाद से सबसे बड़े अल नीनो की संभावना को लेकर विश्वास स्पष्ट रूप से बढ़ रहा है।

मई से लेकर जुलाई के बीच सुपर अलनीनो आएगा

अब इस बात की भी 82 फीसदी संभावना है कि अलनीनो अब से जुलाई के बीच आ जाएगा और यह चरण फरवरी 2027 तक जारी रहने की प्रबल संभावना है। यह अप्रैल के पूर्वानुमान की तुलना में निश्चितता में लगभग 20 प्रतिशत अंकों की वृद्धि है, जिसमें कहा गया था कि अल नीनो निकट ही आने वाला है। अलनीनो की घटनाएं हर दो से सात वर्षों में होती हैं, जब उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर में हवा और समुद्री धाराओं के पैटर्न में बदलाव के कारण समुद्र की सतह का तापमान ऐतिहासिक औसत से 0.9 फ़ारेनहाइट (0.5 डिग्री सेल्सियस) अधिक हो जाता है, जिसके परिणामस्वरूप वैश्विक जलवायु पर गहरा प्रभाव पड़ता है। दुनिया तेजी से तटस्थ अवस्था से बाहर निकल रही है।

सरकार जनजातीय समाज के लिए प्रतिबद्धता के साथ कर रही कार्य : धामी

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नानकमत्ता में आयोजित वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती समारोह का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जनजातीय समाज की संस्कृति, परंपरा और पहचान के संरक्षण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने समाज को आश्वस्त किया कि उनकी सुरक्षा, सम्मान और विकास के लिए सरकार हर स्तर पर कार्य करती रहेगी। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम से पूर्व नानकमत्ता गुरुद्वारा साहिब में मत्था टेककर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नानकमत्ता साहिब की पावन धरती, जहां गुरुओं का आशीर्वाद सदैव बना रहता है, वहां महाराणा प्रताप जैसे महान राष्ट्रनायक का स्मरण करना गौरव का विषय है। कहा कि महाराणा प्रताप केवल मेवाड़ के शासक नहीं थे, बल्कि भारत की आन, बान और स्वाभिमान के अमर प्रतीक थे। उनका जीवन त्याग, संघर्ष, साहस और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणादायी गाथा है, जो आज भी हर भारतीय को ऊर्जा और गौरव से भर देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन हमें यह संदेश देता है कि राष्ट्र, संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा के लिए परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं करना चाहिए। उन्होंने थारू समाज की परंपराओं, लोकगीतों, लोकनृत्यों और प्रकृति से जुड़ी जीवनशैली को उत्तराखंड की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर बताया। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के सम्मान, स्वाभिमान और समग्र विकास के लिए अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, वन धन योजना, जनजातीय विकास मिशन और अन्य योजनाओं के माध्यम से जनजातीय समुदायों को मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।

माँ वाराही धाम का भव्य पुनर्निर्माण बनेगा आस्था और पर्यटन का नया केंद्र : मुख्यमंत्री

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने आज जनपद चम्पावत के ऐतिहासिक एवं सुप्रसिद्ध माँ वाराही शक्तिपीठ धाम, देवीधुरा पहुंचकर मंदिर के नवनिर्माण एवं विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि माँ वाराही धाम केवल आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। कहा कि धाम का विकास इसकी पौराणिक गरिमा एवं मूल स्वरूप को अक्षुण्ण रखते हुए किया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं को आधुनिक सुविधाओं के साथ आध्यात्मिक अनुभूति भी प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि माँ वाराही धाम आने वाले समय में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धार्मिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनेगा। इससे क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री श्री धामी ने माँ वाराही मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। बता दें कि लगभग 15 करोड़ की अनुमानित लागत से माँ वाराही मंदिर के भव्य नवनिर्माण कार्य को चार खाम सात थोक एवं माँ वाराही शक्तिपीठ ट्रस्ट द्वारा आगामी दो से तीन वर्षों में पूर्ण किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

राजकीय हाईस्कूल गंगाड़ : जर्जर भवन और शिक्षकों का अभाव

उत्तरकाशी। जनपद के दूरस्थ राजकीय हाईस्कूल गंगाड़ में वर्षों से मुख्य विषयों के शिक्षकों की नियुक्ति नहीं हो पाई है। साथ ही छात्र–छात्राओं को जर्जर भवन में सीमित कक्षों में पठन–पाठन की प्रक्रिया पूरी करनी पड़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में कई बार शिक्षा विभाग से पत्राचार किया गया लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही है। मोरी विकासखंड के गंगाड़ गांव के ग्राम प्रधान सैन सिंह ने बताया कि उनके गांव के राजकीय हाईस्कूल में छात्र–छात्राओं की संख्या करीब 60 है। अच्छी छात्रसंख्या होने के बावजूद वहां पर सुविधाओं को अभाव है। गणित, अंग्रेजी और संस्कृत जैसे महत्वपूर्ण विषयों के शिक्षकों की तैनाती वर्षों से नहीं हो पाई है। इसका असर परीक्षा परिणाम पर भी देखने को मिल रहा है। साथ ही वर्षों पुराने जर्जर भवन में छात्र–छात्राओं को पढ़ने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। खिड़कियां टूटी है तो टिनशेड कभी भी गिर सकता है। स्थिति इतनी दयनीय है कि छात्र–छात्राओं के शौचालय की भी उचित व्यवस्था नहीं है। सैन सिंह ने बताया कि इस संबंध में गांव में एक माह पूर्व हुए बहुद्देशीय शिविर में भी जिला प्रशासन को अवगत करवाया गया था। जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शैलेंद्र अमोली का कहना है कि विद्यालय में पांच के सापेक्ष तीन शिक्षक तैनात हैं। जल्द ही वहां पर अन्य शिक्षकों की तैनाती के प्रयास किए जाएंगे।

पुरोला पालिका का टॉप—10 में आने का लक्ष्य

उत्तरकाशी। स्वच्छता सर्वेक्षण 2026 को सफल बनाने के लिए नगर पालिका परिषद पुरोला की ओर से तैयारियां तेज कर दी गई है। इसी क्रम में अधिशासी अधिकारी ने पालिका कर्मचारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित कर स्वच्छता अभियान से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक में अधिशासी अधिकारी प्रदीप दयाल ने सभी कर्मचारियों को निर्देशित किया कि स्वच्छता सर्वेक्षण से संबंधित कार्यों को समयबद्ध तरीके से एवं पूरी गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, जिम्मेदारी एवं ईमानदारी से करें। अधिशासी अधिकारी प्रदीप दयाल ने बताया कि पिछले वर्ष स्वच्छता के क्षेत्र में नगर पालिका पुरोला को प्रदेशभर में 52वीं रैंक प्राप्त हुई थी लेकिन इस बार पालिका का लक्ष्य टॉप–10 में स्थान बनाना है। पालिका प्रशासन लगातार आमजन से फीडबैक ले रहा है और खुशी की बात यह है कि लोगों की सकारात्मक प्रतिक्रिया के मामले में नगर पालिका पुरोला अभी तक नंबर वन पर बनी हुई है।

डीएम पैदल तो अधिकारी साइकिल से पहुंचे दफ्तर

उत्तरकाशी। पर्यावरण संरक्षण और ईंधन बचत को बढ़ावा देने के लिए उत्तरकाशी में प्रशासन ने भी कवायद शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री के आह्वान को आगे बढ़ाते हुए जिलाधिकारी प्रशांत आर्य पैदल दफ्तर पहुंचे। वहीं कई अधिकारी और कर्मचारी साइकिल चलाकर कार्यालय पहुंचे। शनिवार को जिलाधिकारी अपने सरकारी आवास से कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय तक पैदल पहुंचे। उन्होंने लोगों को पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा बचत का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सप्ताह में कम से कम एक दिन निजी वाहनों के बजाय पैदल चलने, साइकिल चलाने या सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करना चाहिए। इससे ईंधन की बचत होगी। स्वास्थ्य भी बेहतर रहेगा। पैदल कार्यालय जाते समय जिलाधिकारी ने रास्ते में व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने सामान्य और प्रसाद की दुकानों का जायजा लिया। दुकानदारों को तय मानकों का पालन करने के निर्देश दिए।

बुजुर्गों, दिव्यांगों के भौतिक सत्यापन को लगाएं शिविर

देहरादून। वरिष्ठ नागरिक जन सेवा समिति की ओर से डीएम सविन बंसल को ज्ञापन सौंपकर वृद्ध, दिव्यांग, विधवा और बीमार पेंशनरों के भौतिक सत्यापन के लिए विशेष कैंप लगाने की मांग की है।शनिवार को समिति के अध्यक्ष हुकम सिंह गड़िया और महासचिव पीताम्बर दत्त लोहनी ने डीएम को बताया कि अधिकांश बुजुर्ग और बीमार पेंशनर आठ–दस किलोमीटर दूर तहसील पहुंचने और वहां की सीढ़ियां चढ़ने–उतरने में पूरी तरह असमर्थ हैं। अनुरोध किया कि नगर निगम वार्ड नंबर 51 के अंतर्गत वाणी विहार, शिवलोक कॉलोनी, शांति विहार, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, जैन प्लाट, शिवाजी एन्क्लेव, रामगढ़ और शिवपुरी के पेंशनरों की सुविधा के लिए वाणी विहार में दो–तीन दिनों का शिविर लगाया जाए। समिति ने शिविर संचालन में पूर्ण सहयोग का भरोसा दिया है। जिलाधिकारी ने समस्या को गंभीरता से लेकर जिला विकास अधिकारी को निर्देशित किया।

एसीएमओ ने किया सीएचसी चकराता का औचक निरीक्षण

विकासनगर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चकराता में स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावी, पारदर्शी और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिनेश चौहान ने शुक्रवार को औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल के वार्ड, दवा भंडार, आपातकालीन कक्ष और रोगी पंजीकरण व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया। . चौहान ने कहा कि मरीजों को समय पर दवा और उपचार मिलना प्राथमिकता है तथा दवाओं के स्टॉक और रिकॉर्ड में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अभद्रता से परेशान नर्सिंग स्टाफ ने दी कार्य बहिष्कार की चेतावनी

बागेश्वर] जिला अस्पताल में तैनात नर्सिंग स्टाफ ने ड्यूटी के दौरान लगातार हो रहे दुर्व्यवहार और अभद्रता पर नाराजगी जताते हुए चिकित्सा अधीक्षक से सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। स्टाफ ने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर उचित सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई तो वे कार्य बहिष्कार को बाध्य होंगे। शनिवार को जिला अस्पताल की स्टाफ नर्सों ने चिकित्सा अधीक्षक डॉ. तपन शर्मा से मुलाकात कर अपनी समस्याएं रखीं। उन्होंने बताया कि नर्सिंग स्टाफ दिन–रात मरीजों की देखभाल, आपातकालीन सेवाओं और अन्य चिकित्सकीय दायित्वों का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन कर रहा है, लेकिन पिछले कुछ समय से उन्हें असुरक्षा और मानसिक दबाव का सामना करना पड़ रहा है। नर्सों ने कहा कि शाम के समय कई मरीजों के तीमारदार शराब के नशे में अस्पताल पहुंचते हैं और स्टाफ के साथ अभद्र व्यवहार करते हैं। इसके अलावा कुछ लोग हेल्प डेस्क से संपर्क करने के बजाय स्टाफ के निजी मोबाइल नंबरों पर बात करने का दबाव बनाते हैं, जिससे गंभीर मरीजों की सेवाएं प्रभावित होती हैं और कार्य में बाधा उत्पन्न होती है। उन्होंने मरीजों से मिलने के लिए निर्धारित समय तय करने और अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की। नर्सिंग स्टाफ का कहना है कि भय और दबाव के माहौल में काम करना मुश्किल हो रहा है। इस दौरान रेखा रौतेला, मधु, पूनम, पूनम सिंह, भावना, ममता, उमा, गीतांजलि, दीपा, दीप्ति, इंदु और कविता समेत कई स्टाफ नर्स मौजूद रहीं।

नगर क्षेत्र में बंदरों और लावारिस कुत्तों की दहशत

उत्तरकाशी। नगर क्षेत्र में इन दिनों बंदरों और लावारिस कुत्तों की दहशत बनी है। नगर के विभिन्न वार्डों और मोहल्लों में लोगों को घर से बाहर निकलना मुश्किल है। लगातार बढ़ रही घटनाओं से नगरवासियों में भय और आक्रोश का है। बीते बृहस्पतिवार को जोशियाड़ा पुल रतूड़ी भवन के पास सुभागा देवी को बंदरों ने हमला कर उनके हाथ को काट दिया जिसके बाद परिजनों ने उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया। स्थानीय निवासी सुरेंद्र गंगाड़ी, अभिराज रतूड़ी आदि ने कहा कि सुबह और शाम के समय बंदरों के झुंड घरों में घुसकर सामान नुकसान पहुंचा रहे हैं जबकि आवारा कुत्ते सड़कों पर राहगीरों और स्कूली बच्चों का पीछा कर हमला कर रहे हैं। कई लोग इन हमलों में घायल हो चुके हैं। जिनका उपचार जिला अस्पताल में कराया गया। बावजूद इसके प्रशासन और वन विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। नगरवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

इलाज के बोझ तले दबे परिवार को प्रशासन ने दी नई उम्मीद

देहरादून। रायपुर विकासखंड के मालदेवता क्षेत्र की निवासी संध्या रमोला के परिवार को जिला प्रशासन ने आर्थिक तंगी से राहत दिलाई है। परिवार के मुखिया गले के कैंसर से पीड़ित हैं और इलाज के कारण वे काम करने में असमर्थ हो गए थे। दो छोटे बच्चों और बैंक पर बकाया ऋण के चलते परिवार की स्थिति चिंताजनक हो गई थी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार जिलाधिकारी सविन बंसल के नेतृत्व में प्रशासन ने हस्तक्षेप कर परिवार का ऋण माफ कराया और तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की। प्रशासन ने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कोष से परिवार पर बकाया लगभग 71हजार रुपये का ऋण सीधे बैंक खाते में जमा कर-ाकर उन्हें ऋणमुक्त कराया। साथ ही राइफल क्लब देहरादून मद से 50हजार रुपये की अतिरिक्त सहायता भी सीधे खाते में भेजी गई। इससे परिवार को बैंक से जारी नोटिस और किश्तों के दबाव से राहत मिली है। संध्या रमोला ने बताया कि उनके पति का उपचार स्थानीय अस्पताल में चल रहा है और लगातार कीमोथेरेपी के कारण वे काम नहीं कर पा रहे हैं। परिवार ने 2024 में स्वयं सहायता समूह और स्वरोजगार के लिए ऋण लिया था, पर बीमारी के चलते किश्तें जमा नहीं हो सकीं। बैंक द्वारा करीब 71 हजार रुपये जमा करने का नोटिस मिलने के बाद परिवार पर मानसिक और आर्थिक दबाव बढ़ गया था।

जिलाधिकारी सविन बंसल ने कहा कि मुख्यमंत्री की स्पष्ट मंशा है कि कोई भी पात्र और जरूरतमंद व्यक्ति सरकारी सहायता से वंचित न रहे। उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित बैंक को नो–ड्यूज प्रमाण पत्र जारी किया जाए और जरूरतमंदों को समय पर सहायता पहुंचाने के लिए प्रशासन तत्पर रहे।

दो बेटियों के साथ नहर में कूदी महिला, इलाके में हड़कंप

विकासनगर। शक्ति नहर के पुल नंबर–1 पर शनिवार को उस समय अफरा–तफरी मच गई जब 28 वर्षीय महिला किरन चंदेल अपनी दो मासूम बेटियों के साथ नहर में कूद गई। घटना को देखकर आसपास मौजूद लोगों ने साहस दिखाते हुए तीन वर्षीय आरवी और तीन माह की बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और महिला की तलाश शुरू की। रऊफ़ा की टीम भी सर्च अभियान में जुटी हुई है। महिला की पहचान मंडी चौक निवासी किरन चंदेल के रूप में हुई है, जो मूल रूप से ग्राम जाखन विन्हार की रहने वाली है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार किरन ने वर्ष 2020 में धीरज चंदेल से प्रेम विवाह किया था। पति हैदराबाद में नौकरी करता है और हाल ही में छुट्टी पर घर आया था। घटना के समय वह घर पर मौजूद नहीं था। फिलहाल महिला के नहर में कूदने के कारणों की जांच की जा रही है।

यमुनोत्री पैदल मार्ग पर झुका बिजली का खंभा बना खतरा

उत्तरकाशी। यमुनोत्री धाम यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर लापरवाही की तस्वीर सामने आई है। जानकीचट्टी–यमुनोत्री पैदल मार्ग पर भैरव मंदिर के समीप एक तारविहीन बिजली का खंभा पिछले करीब एक वर्ष से तिरछी है जो आने–जाने वालों के लिए खतरे का कारण बना है। स्थानीय निवासी मंगल सिंह रावत ने बताया कि पैदल मार्ग पर बिजली के खंभे से विद्युत आपूर्ति पहले ही हटा दी गई थी लेकिन इसके बावजूद विभाग ने अब तक खम्भे को हटाने या बदलने की जहमत नहीं उठाई। उन्होंने कहा कि पिछले साल से लगातार झुका यह खंभा अब बरसात के दौरान और अधिक खतरनाक स्थिति में पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि यमुनोत्री यात्रा सीजन में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु इस पैदल मार्ग से आवाजाही करते हैं। लोगों का कहना है कि यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन को गंभीरता दिखानी चाहिए।

उत्तराखंड में मौसम का मिज़ाज बदला, कई जिलों में येलो अलर्ट

देहरादून। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज–चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना जताई है। 4500 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में ओले गिरने या बर्फबारी भी हो सकती है। इसको देखते हुए विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

तेज हवाओं का अंदेशाः कई पहाड़ी जिलों में बिजली कड़कने और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। वहीं अन्य पहाड़ी जिलों में हल्की बारिश और गरज–चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। मैदानी इलाकों में गर्मी बढ़ने का अनुमान है। रविवार को भी रहेगा असरः मौसम विभाग के अनुसार रविवार, 17 मई को भी देहरादून, टिहरी, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में गरज–चमक और आंधी–तूफान के साथ हल्की बारिश हो सकती है। कुछ जिलों में खराब मौसम को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। आने वाले दिनों का पूर्वानुमानः 18 और 19 मई को उत्तराखंड के अधिकांश जिलों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। वहीं 20 से 22 मई तक उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों के अलग–अलग हिस्सों में हल्की बारिश और गरज–चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की भी संभावना है।

मैदानी इलाकों में बढ़ेगी गर्मीः मौसम विभाग ने बताया कि अगले 4–5 दिनों में मैदानी जिलों में अधिकतम तापमान में धीरे–धीरे 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है।

गोमती और सरयू के पुराने पुल होंगे चौड़े, सर्वे शुरू

बागेश्वर। नगर क्षेत्र में गोमती और सरयू नदी पर बने पुराने पुलों के चौड़ीकरण और पुनर्निर्माण की दिशा में प्रक्रिया तेज हो गई है। शनिवार को अर्बन बिल्ड की तकनीकी टीम ने बागेश्वर पहुंचकर दोनों पुलों का विस्तृत सर्वे और निरीक्षण किया। टीम लीडर नवीन सिंह मेहरा के नेतृत्व में विशेषज्ञों ने पुलों की वर्तमान स्थिति, संरचना, चौड़ाई और यातायात भार का आकलन किया। साथ ही भविष्य की जरूरतों और बढ़ते यातायात दबाव को ध्यान में रखते हुए आवश्यक तकनीकी आंकड़े जुटाए गए।

राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के अपर सहायक अभियंता प्रकाश आर्या ने बताया कि सर्वे पूरा होने के बाद दोनों पुलों की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जाएगी। इसके आधार पर डिजाइन बनाकर स्वीकृति के लिए भारत सरकार को भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में दोनों पुल सिंगल लेन हैं, जिससे अक्सर यातायात बाधित होता है। बढ़ते ट्रैफिक को देखते हुए अब इन्हें डेढ़ लेन के रूप में विकसित करने की योजना बनाई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि संकरे पुलों के कारण आए दिन जाम की स्थिति बनती है। ऐसे में पुलों के चौड़ीकरण से यातायात व्यवस्था में सुधार होने और लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार स्वीकृति मिलने के बाद निर्माण कार्य आगे बढ़ाया जाएगा।

नौगांव में तीन माह से राशन वितरण ठप, उपभोक्ताओं में आक्रोश

उत्तरकाशी। नगर पंचायत में चालीस वर्षों से संचालित जनपद की सबसे बड़ी सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान से उपभोक्ताओं को अभी तक अप्रैल, मई और जून का राशन नहीं मिल पाया है। नियमानुसार अप्रैल माह में ही तीन महीने के राशन का आवंटन हो जाना चाहिए था लेकिन विभाग अभी तक राशन आबंटन की नई व्यवस्था नहीं बना पाया है। तीन माह का करीब साढ़े सात सौ क्विंटल गेहूं, चावल अभी भी डामटा गोदाम में पड़ा है। साथ ही उपभोक्ता लगातार राशन बांटने की मांग कर रहे हैं। राशन आवंटन की नई व्यवस्था नहीं होने से सरकारी स्कूलों में पहुंचने वाले एमडीएम के राशन पर भी असर पड़ रहा है। दुकान के संचालनकर्ता की ओर से अप्रैल में अस्वस्थता का हवाला दे कर दिया था इस्तीफा विभाग अभी तक राशन बांटने की नई व्यवस्था नहीं बना पाया है जिससे उपभोक्ताओं में आक्रोश है। नगर पंचायत में संचालित सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान जनपद की सबसे बड़ी दुकान है।

सिंचाई विभाग ने जीता गढ़वाल प्रीमियर लीग का खिताब

देहरादून। उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ (गढ़वाल मंडल) की ओर से आयोजित प्रथम प्रीमियर लीग का फाइनल मुकबला दूधिया रोशनी में खेला गया। बेहद रोमांचक अंतिम मुकाबले में सिंचाई विभाग ने ग्रामीण निर्माण विभाग को 17 रनों से शिकस्त देकर खिताबी ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। मुख्य अतिथि इं आरसी शर्मा और विशिष्ट अतिथि इं वीरेंद्र गुसाईं ने विजेता व उपविजेता टीमों को पुरस्कृत किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी सिंचाई विभाग की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 187 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम के लिए अभिषेक व्यास ने 11 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 96 रनों की तूफानी पारी खेली। जवाब में 188 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ग्रामीण निर्माण विभाग की टीम कड़ी टक्कर के बाद भी 20 ओवरों में 7 विकेट पर 170 रन ही बना सकी। टीम के कप्तान महेंद्र राणा ने 53 और जोकिन सिंह ने 49 रन बनाए। सिंचाई विभाग के मनेंद्र चौहान ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए। शानदार प्रदर्शन के लिए अभिषेक व्यास को 'सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' व 'सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज' और मनीष मेहर को 'प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' चुना गया।

शहीद स्मारक भवन बनाने की मांग उठाई

उत्तरकाशी। चिन्हित राज्य आन्दोलनकारी संयुक्त समिति ने राज्य निर्माण आंदोलनकारियों के लिए शहीद स्मारक भवन बनाने की मांग उठाई। जिला ऑडिटोरियम में आयोजित बैठक में समिति के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। कहा कि राज्य आंदोलनकारियों के सम्मान और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सरकार को गंभीर कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों की मृत्यु के बाद जिस प्रकार पटवारी की रिपोर्ट पर पेंशन बंद कर दी जाती है, उसी तरह आश्रितों को भी पटवारी की रिपोर्ट के आधार पर पेंशन का लाभ दिया जाना चाहिए।

शनिचरी अमावस्या पर तीर्थनगरी में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

ऋषिकेश। तीर्थनगरी ऋषिकेश में शनिवार को शनि अमावस्या को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह दिखा। श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में गंगा स्नान किया। तत्पश्चात पूजा अर्चना और दान कर पुण्य लाभ कमाया। इस दौरान हर–हर गंगे के जयकारों से तीर्थनगरी के घाट गूंजते रहे। शनिवार को तीर्थनगरी के गंगा घाटों पर शनि अमावस्या को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। सुबह से ही दूर–दराज क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य लाभ अर्जित किया। ऋषिकेश के त्रिवेणी घाट, दत्तात्रेय घाट, पीपल घाट, रामानंद घाट, नाव घाट, साईं घाट, 72–सीढ़ी घाट, मुनिकीरेती में दयानंद घाट, शत्रुघ्न घाट, पूर्णानंद घाट, स्वर्गाश्रम में सीता घाट, राम घाट, परमार्थ निकेतन घाट आदि जगहों पर श्रद्धालुओं की भीड़ सुबह से दोपहर तक दिखी। तमाम गंगा घाट क्षेत्र में धार्मिक माहौल बना रहा और हर–हर गंगे के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने गंगा में स्नान करने के बाद विधि–विधान से पूजा–अर्चना की तथा अपने परिवार की सुख–समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस दौरान श्रद्धालुओं ने गंगा घाटों पर बैठे भिक्षुकों और जरूरतमंद लोगों को दान–पुण्य भी किया।

एक नजर

विवादित पोस्ट डालने पर जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कुछ दिन पूर्व मोहम्मद दीपक के नाम से चर्चाओं में आए दीपक कुमार के फेसबुक अकाउंट से विवादित पोस्ट डालने जाने पर विश्व हिंदू परिषद ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि फेसबुक पर इस प्रकार की विवादित पोस्ट डालने से मुस्लिम समाज को हिंदू समाज के खिलाफ भड़काने का प्रयाय किया जा रहा है।

इस संबंध में पुलिस क्षेत्राधिकारी को पत्र दिया गया। जिसमें विश्व हिंदू परिषद के नगर अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा ने कहा कि दीपक अक्की कुमार ने अपनी फेसबुक पर एक विवादित पोस्ट डाली है, जिसमें हिंदुओं के प्रति आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग करते हुए बजरंग दल व हिंदू संगठनों को गाली दी गई है। जिसमें मुस्लिम समाज को नसीहत दी गई है कि हिंदू उनकी खाने की थाली को चुरा लेगें। जिसमें भोपाल में हुई हिंसा का उदाहरण दिया गया है। कहा कि इस प्रकार की विवादित पोस्ट से हिंदू मुस्लिम दंगे भड़काने का प्रयास किया जा रहा है, जोकि समाज के लिए ठीक नहीं है। उन्होंने दीपक कुमार के खिलाफ उचित कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है।

डॉ. मैठाणी उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान से सम्मानित

श्रीनगर गढ़वाल : सरस्वती विद्या मंदिर हाईस्कूल श्रीनगर के प्रधानाचार्य डॉ. मुकेश चंद्र मैठाणी को उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद की ओर से उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया। रामनगर में परिषद के सभागार में बीते शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में डॉ. मैठाणी को सामाजिक विज्ञान विषय में हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा में विद्यालय के विद्यार्थियों की ओर से शत-प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर उन्हें यह सम्मान दिया गया। सचिव उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद के सचिव विनोद प्रसाद सिमल्टी व कौशल एकेडमी इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. गिरीश घुगत्याल ने उन्हें यह पुरस्कार दिया। डॉ. मैठाणी को उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान मिलने पर विद्यालय प्रबंधन समिति, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त की। (एजेंसी)

दो दिन से हैंडपंप खराब, राहगीर और यात्री परेशान

श्रीनगर गढ़वाल : चारधाम यात्रा के प्रमुख पड़ाव श्रीनगर में राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित भक्तियाना क्षेत्र में एसएसबी गेट के सामने जल संस्थान की ओर से लगाया गया हैंडपंप पिछले दो दिनों से खराब पड़ा हुआ है। भीषण गर्मी के बीच हैंडपंप खराब होने से यहां से गुजरने वाले स्थानीय लोगों, राहगीरों और चारधाम यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी नीरज व सूरज का कहना है कि यात्रा सीजन शुरू होने के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर यात्रियों और वाहनों की आवाजाही लगातार बढ़ गई है। ऐसे में सड़क किनारे लगा यह हैंडपंप से यात्री पानी पीकर राहत महसूस करते हैं, लेकिन हैंडपंप खराब होने से लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। स्थानीय निवासी गजेंद्र मैठाणी ने बताया कि पिछले दो दिनों से हैंडपंप खराब पड़ा है जिससे स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ चारधाम यात्रा पर आने-जाने वाले यात्रियों को भी दिक्कत हो रही है। चिलचिलाती गर्मी में हैंडपंप बंद होना लोगों के लिए बड़ी समस्या बन गया है। जल संस्थान के सहायक अभियंता अर्पित मित्तल ने बताया कि हैंडपंप खराब होने की शिकायत दर्ज कर ली गई है। विभाग की ओर से जल्द मरम्मत कार्य कराया जाएगा और दो दिन के भीतर हैंडपंप को ठीक कर दिया जाएगा। (एजेंसी)

परीक्षा प्रणाली को मजबूत और पारदर्शी बनाने पर दिया जोर

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : गढ़वाल विवि के बीजीआर परिसर में डीडीएसडब्ल्यू और कॅरियर काउंसलिंग समिति की संयुक्त पहल पर परीक्षा अनियमितताओं के कारण विद्यार्थियों में मानसिक तनाव विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुई।

इस मौके पर वरिष्ठ शिक्षाविद प्रो. एससी गैरोला व प्रो. अनुप पांडेय ने परीक्षा संबंधी अनियमितताओं से छात्रों में बढ़ रहे मानसिक दबाव व दुष्प्रभावों पर रोशनी डाली। कहा कि हर दिन चुनौतियों से जूझ रहे छात्र कड़ी मेहनत कर परीक्षा की तैयार करते हैं, लेकिन परीक्षा अनियमितता उनके भविष्य पर प्रश्नचिह्न लगा रहे हैं। उन्होंने परीक्षा प्रणाली को और मजबूत और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया। कार्यशाला में परिसर निदेशक प्रो. यूसी गैरोला ने हर चुनौती का मजबूती से सामना करने और संयम बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। कहा कि सफलता के लिए छात्रों को मानसिक रूप से सशक्त बनाने में शिक्षकों व समाज की भूमिका अहम होती है। इस मौके पर सहायक प्राध्यापक डॉ. धर्मेंद्र कुमार, डॉ. गौतम कुमार, माधव सिंह आदि मौजूद रहे।

नशे में वाहन चलाना पड़ा भारी

श्रीनगर गढ़वाल : कोतवाली कीर्तिनगर पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया। अभियान के तहत पुलिस ने एक चालक को शराब के नशे में वाहन चलाते हुए गिरफ्तार कर उसका वाहन सीज कर दिया। कोतवाली संजय मिश्रा ने बताया कि चेकिंग अभियान के दौरान कार का चालक हिमांशु निवासी ग्राम सुमाड़ी तिलवाड़ा, जनपद रुद्रप्रयाग को शराब के नशे में वाहन चलाते हुए पाया गया। पुलिस ने चालक के खिलाफ धारा मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर वाहन सीज किया। अभियान में कुल 56 चालान किए गए। मोटर वाहन अधिनियम के तहत 31 चालानों से 18 हजार रुपये व पुलिस एक्ट के तहत 25 चालानों से 6 हजार 200 रुपये संयोजन शुल्क वसूला गया।

डीएम सहित 46 अधिकारी गांवों में सुनेंगे जनता की समस्याएं

रुद्रप्रयाग। सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत जिलाधिकारी सहित जनपद स्तरीय अधिकारी अलग–अलग ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करेंगे। इसके लिए जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने सभी जनपद स्तरीय अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए है। मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत ने बताया कि मई माह के लिए 46 अधिकारियों को विभिन्न ग्राम पंचायतों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। निर्धारित रोस्टर के अनुसार जिलाधिकारी विशाल मिश्रा विकास खंड अगस्त्यमुनि की ग्राम पंचायत मालतोली का भ्रमण कर ग्रामीणों के साथ बैठक करेंगे और उनकी समस्याएं सुनेंगे। वहीं मुख्य विकास अधिकारी ग्राम पंचायत कोठगी, उप वन संरक्षक रजत सुमन ग्राम पंचायत पीड़ा तथा अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा विकास खंड जखोली की ग्राम पंचायत जवाड़ी में स्थलीय निरीक्षण एवं ग्रामीणों के साथ बैठक करेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित एवं स्थानीय स्तर पर समाधान करना है।

नगर निगम व प्रशासन ने मांस की दुकानों में की छापेमारी, कार्रवाई

जयतन प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम और प्रशासन की संयुक्त टीम ने शहर में संचालित मांस व मछली की दुकानों का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान कई दुकानों में नियमों का उल्लंघन सामने आया। अधिकांश स्थानों पर मांस खुले में काटा और लटकाया जा रहा था, जबकि कई दुकानों में साफ-सफाई की स्थिति भी खराब मिली। नगर आयुक्त पीएल शाह और उपजिलाधिकारी संदीप कुमार के नेतृत्व में टीम ने आमपड़ाव, देवी रोड समेत विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने दुकानदारों को स्वच्छता बनाए रखने और निर्धारित नियमों का पालन करने के निर्देश दिए। आमपड़ाव क्षेत्र में कुछ दुकानों में काले शीशे नहीं लगाए गए थे और मांस खुले में रखा गया था। इस पर नगर निगम ने संबंधित दुकानदारों के चालान काटे और दस दिनों के भीतर व्यवस्थाएं सुधारने की चेतावनी दी। वहीं देवी रोड में प्रशासनिक टीम के पहुंचते ही खुले में मछली बेच रहे दुकानदारों में हड़कंप मच गया। कई विक्रेता दुकानें बंद कर मौके से हट गए। टीम ने क्षेत्र की अन्य दुकानों का भी निरीक्षण किया और गंदगी पाए जाने पर चालान की कार्रवाई की। अधिकारियों ने कहा कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो आगे और सख्त कदम उठाए जाएंगे।

शराब पीकर वाहन न चलाने को किया जागरूक

श्रीनगर गढ़वाल : थाना कीर्तिनगर पुलिस की ओर से आदर्श राजकीय इंटर कॉलेज किलकिलेश्वर में साइबर जागरूकता पर अभियान चलाया गया। इसमें छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों, यातायात नियमों और नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य नैन सिंह चौहान, शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। पुलिस टीम ने छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी लिंक, ओटीपी साझा करने के खतरे, सोशल मीडिया अपराध, साइबर बुलिंग और बैंकिंग धोखाधड़ी से बचाव के उपाय बताए। संदिग्ध गतिविधि की सूचना साइबर हेल्पलाइन 1930 या नजदीकी पुलिस स्टेशन में देने की अपील की। गौरा शक्ति ऐप की जानकारी देते हुए इसके उपयोग और आपातकालीन सुविधाओं के बारे में बताया गया। इस दौरान सड़क सुरक्षा, हेलमेट और सीट बेल्ट के प्रयोग, नाबालिग वाहन संचालन के दुष्परिणाम और शराब पीकर वाहन न चलाने पर भी जागरूक किया गया। इस मौके पर वक्ता के रूप में अपर निरीक्षक दीपेंद्र रावत व एसआई सुषमा रावत आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

बालासौड़ क्षेत्र में हो रही गंदे पानी की आपूर्ति

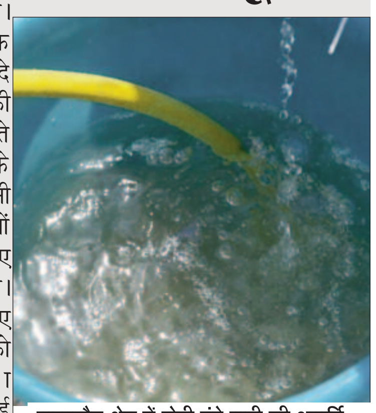
बालासौड़ क्षेत्र में होती गंदे पानी की आपूर्ति

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत बलासौड़ क्षेत्र में गंदे पानी की सप्लाई से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बीते कई दिनों से इलाके के अधिकांश घरों में दूषित पानी पहुंच रहा है, जिससे लोगों को स्वच्छ पेयजल के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है। कई परिवार पीने के लिए बाजार से पानी खरीदने को मजबूर हैं। स्थानीय निवासियों के अनुसार कई बार नलों से आने वाला पानी इतना खराब होता है कि उसका उपयोग दैनिक कार्यों में भी नहीं किया जा सकता। लोगों का कहना है कि क्षेत्र की पुरानी पाइप लाइन जगह-जगह से क्षतिग्रस्त और लीकेज है, जिसके कारण गंदा पानी सप्लाई में मिल रहा है। क्षेत्रवासियों ने बताया कि नई पेयजल लाइन बिछाने की मांग को लेकर कई बार जल संस्थान और जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। दूषित पानी की वजह से बीमारी फैलने का खतरा भी बना हुआ है। लोगों ने विभाग से जल्द उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

अनुशासन व देश प्रेम के लिए किया प्रेरित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कौड़िया के गब्बर सिंह कैंप में 31 उत्तराखंड बटालियन एनसीसी हरिद्वार द्वारा वार्षिक संयुक्त प्रशिक्षण शिविर का संचालन किया जा रहा है। शिविर में वक्ताओं ने कहा कि एनसीसी युवाओं में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और देशप्रेम की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है।

इस प्रशिक्षण शिविर में देहरादून, हरिद्वार, टिहरी और पौड़ी जिलों से आए 500 से अधिक महिला एवं पुरुष कैडेट्स भाग ले रहे हैं। शिविर के माध्यम से कैडेट्स को आत्मनिर्भरता, अनुशासन और राष्ट्र सेवा के प्रति प्रेरित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन रुड़की ग्रुप के एनसीसी कमांडर ब्रिगेडियर पी. भंडारी ने किया। उन्होंने कैंप का जायजा लेते हुए एनसीसी की भूमिका और उसके महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने युवाओं को सेना में करियर बनाने और देश की सुरक्षा के लिए आगे आने को प्रेरित किया। प्रशिक्षण सत्र में कैडेट्स को ड्रिल, फायरिंग, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, आत्मरक्षा, साइबर जागरूकता, बैंकिंग प्रणाली, अग्निशमन और आपदा प्रबंधन जैसी गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अलावा योगाभ्यास, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, खेलकूद, दौड़ और फायरिंग प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा रही हैं। शिविर में विशेषज्ञों द्वारा कैडेट्स को वित्तीय साक्षरता, आधुनिक बैंकिंग व्यवस्था और आपदा प्रबंधन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी जा रही हैं। इस दौरान कर्नल ललित पंवार, कर्नल गौरव नौगांई, सूबेदार मेजर लक्ष्मण सहित विभिन्न विद्यालयों के एएनओ भी मौजूद रहे।

अवैध ई-फार्मेसी का विरोध, बीस को करेंगे बंदी

कोटद्वार केमिस्ट एसोसिएशन ने सरकार से की हस्तक्षेप की मांग

उपजिलाधिकारी को ज्ञापन देते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : अवैध ई-फार्मेसी संचालन और बड़े कॉरपोरेट्स की ओर से अनुचित मूल्य निर्धारण समेत कई प्रमुख मांगों के विरोध में देशभर के 12.40 लाख से अधिक केमिस्ट और वितरक 20 मई को एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी दवा व्यापार बंद करेंगे। उत्तरांचल औषधी व्यवसायी महासंघ से संबद्ध कोटद्वार केमिस्ट एसोसिएशन ने मांगों को लेकर शनिवार को एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (एआईओसीडी) ने इन मुद्दों को लेकर सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है।

ज्ञापन में कहा गया कि केंद्र और राज्य स्तर पर बार-बार निवेदन के बावजूद औषधि व्यापार और जन स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले गंभीर मुद्दे अनसुलझे पड़े हैं। इससे देशभर के 12.40 लाख से अधिक केमिस्ट और उनके करीब पांच करोड़ आश्रितों की आजीविका पर संकट आ गया है। अवैध ई-फार्मेसियों के अनियंत्रित विस्तार से दवा कानूनों और रोगी सुरक्षा मानकों का उल्लंघन हो रहा है। इसमें बिना वैध पर्चे के दवाओं की बिक्री, पर्चों का दुरुपयोग और एंटीबायोटिक्स की आसान उपलब्धता शामिल है। फार्मासिस्ट और रोगी के बीच सीधा संवाद न होने से नकली दवाओं और अनुचित भंडारण का जोखिम भी बढ़ रहा है। अवैध ई-फार्मेसी से जनस्वास्थ्य को गंभीर खतरा है। ये बिना चिकित्सकीय पर्चे के दवाएं बेचते हैं और पर्चों का बार-बार दुरुपयोग करते हैं। ज्ञापन सौंपने वालों में कोटद्वार केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष विवेक अग्रवाल, महासचिव विजयपाल सिंह नेगी, पाणिनी बौंठियाल, दिनेश रस्तोगी, अनिल डबराल, रोशन काला, मनोज अग्रवाल व परमानंद गौड़ आदि शामिल रहे।

क्षय रोग की रोकथाम के लिए निकाली जागरूकता रैली

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : डैफोडिल पब्लिक स्कूल देवरामपुर कोटद्वार की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयं सेवियों ने टीबी जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय परिसर से लेकर मोटाढांक चौराहा तक जागरूकता रैली निकाली। रैली के दौरान आमजन को इसके लक्षण और उपचार के बारे में बताया गया। इस मौके पर स्वयं सेवियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। रैली का शुभारम्भ विद्यालय के प्रबंधक शेखर उपाध्याय और मेघा चंदोला ने हरी झंडा दिखा कर किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी शंकर बहादुर ने कहा कि टीबी एक संक्रमण बीमारी है जो यह एक मनुष्य से दूसरे मनुष्य को फैलती है। कहा कि सरकार द्वारा टीबी मरीजों के लिए मुफ्त जांच और दवा की सुविधा उपलब्ध है, जिससे समय पर इलाज संभव हो पाता है। इसके साथ ही निक्षय पोषण योजना के तहत मरीजों को इलाज के दौरान प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है, ताकि वे उचित पोषण लेकर जल्द स्वस्थ हो सकें। उन्होंने भीड़ वाली जगह में जाने से बचने, मास्क पहनने, पौष्टिक आहार लेने और खुले में ना थूकने की अपील की। इस अवसर पर स्वयं सेवकों ने मोटाढांक चौराहे में टीबी जागरुकता कार्यक्रम के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। उन्होंने नाटक के माध्यम से टीबी को लेकर जो भ्रांतियां और डर था उसे दूर करने का प्रयास किया गया। नुक्कड़ नाटक में भूमिका निभाने वाले स्वयं सेवकों में कार्तिकेय कांडवाल, अमित स्वरूप, शिवांशी रावत, दीपांशु, अभिज्ञान, यश भट्ट अमन नेगी, अंशुमान, नैतिक, प्रतिभा, प्रियांशी, आदित्य कुमार शामिल थे। इस मौके पर मेघा चंदोला, जीतेन्द्र राणा, गोपाल रावत, दीपिका रावत, भास्कर नेगी आदि शिक्षक मौजूद थे।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से क्षय रोग को लेकर जागरूक करते हुए स्वयं सेवी।

शिक्षकों ने लंबित पदोन्नति प्रक्रिया को शुरु करने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : अनुसूचित जाति, जनजाति शिक्षक एसोसिएशन की तरफ से 13 सूत्रीय मांगों को लेकर आनलाइन जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षकों ने लंबित पदोन्नति की प्रक्रिया सहित अन्य मांगों का निस्तारण न होने पर आक्रोश जताया।

प्रदेश अध्यक्ष जगदीश राठी ने कहा कि आनलाइन जनसंवाद कार्यक्रम में प्रदेश के जनपदों व ब्लाकों से जुड़े शिक्षकों ने लंबित पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू करवाए जाने, इरशाद आयोग की रिपोर्ट को सार्वजनिक किए जाने, आरक्षण, रोस्टर, छात्रवृत्ति, स्थानांतरण, वेतन एवं स्वास्थ्य सुविधाओं से संबंधित गंभीर मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। कहा कि एसोसिएशन पुरानी पेंशन बहाली, पारदर्शी स्थानातंरण व्यवस्था, आशासकीय विद्यालयों में समय पर वेतन, गोल्डन कार्ड में ओपीडी की सुविधा, अन्य राज्य से विवाह कर उत्तराखंड में निवास कर रही अनुसूचित जाति जनजाति की महिलाओं को नियमानुसार आरक्षण का लाभ दिए जाने के लिए संघर्षरत है। कहा कि मांगों पर नियमानुसार कार्यवाही न होने पर एसोसिएशन आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

बंदरों के हमले में महिला समेत दो घायल

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम क्षेत्र के भक्तियाना में बंदरों का आतंक दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। हालत यह है कि लोगों का घरों की छतों पर कपड़े सुखाना तक मुश्किल हो गया है। शुक्रवार को बंदरों के हमले में एक महिला समेत दो लोग घायल हो गए। लगातार बढ़ रही घटनाओं से स्थानीय लोगों में डर और नाराजगी है।

वार्ड 29 की पार्षद पूजा किमोठी ने कुछ दिन पूर्व नगर निगम मेयर और नगर आयुक्त को पत्र देकर बंदरों के आतंक से निजात दिलाने की मांग की थी। स्थानीय निवासी राहुल, नितिन और रमेश ने बताया कि शुक्रवार शाम एसएसबी कॉलोनी निवासी एक महिला अपने पति के साथ गेट से बाजार की ओर जा रही थी। इसी दौरान गेट के पास पेड़ पर बैठे बंदर ने अचानक महिला पर झपट्टा मार दिया और उसके पैर पर हमला कर दिया। महिला के शोर मचाने पर आसपास मौजूद लोगों ने बंदर को भगाया। वहीं दूसरी घटना में एक 50 साल के व्यक्ति छत पर कपड़े डालने गए थे तभी अचानक बंदर ने उन पर हमला कर दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि बंदर कपड़े फाड़ रहे हैं और मौका मिलते ही घरों की रसोई में घुस जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि बंदर राह चलते लोगों पर भी हमला कर रहे हैं। नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त रविराज सिंह बंगारी ने कहा कि मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है और वन विभाग से वार्ता कर समस्या के समाधान का प्रयास किया जाएगा। (एजेंसी)

दास्तान-ए-दिल्ली नाटक मंचन के साथ बाल रंग यात्रा का शुभारंभ

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विश्वविद्यालय के लोक कला एवं संस्कृति निष्पादन केंद्र की ओर से आयोजित बाल रंग यात्रा का शुभारंभ ऐतिहासिक नाटक दास्तान–ए–दिल्ली के मंचन के साथ हुआ। इस दौरान शहर के मार्शल पब्लिक स्कूल के बाल कलाकारों के अभिनय, संवाद अदायगी और मंच सज्जा को दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. डीआर पुरोहित, मार्शल स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर जलेश सब्रवाल व प्रधानाचार्या प्रिया सब्रवाल ने किया। नाटक में दिल्ली के इतिहास को विभिन्न कालखंडों में घटित घटनाओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। निर्देशन एमए रंगमंच के छात्र दिनेश व उपासना भट्ट ने किया। नाटक में अग्रिम, अर्पित, इशिका, आशीष, शिवम, काजल, अंशिका, अंबिका, आराध्या, सक्षम, ऋषभ, अभिषेक, अभिनव, नैतिक, अंश, देव, सृष्टि, दिव्यांशु, इशिता, आयुष्मान, सुशांत, विहान, सुहाना, मानसी, दिव्या, पूर्वी सहित अनेक छात्र–छात्राओं ने अभिनय किया।

पैदल मार्ग बदहाल, जान जोखिम में डालकर सफर कर रहे ग्रामीण

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड कीर्तिनगर के लोस्तु और बडियारगढ़ क्षेत्र के दर्जनों गांवों को प्राचीन श्री घंटाकर्ण देवता मंदिर से जोड़ने वाला पैदल मार्ग पिछले करीब आठ वर्षों से बदहाल स्थिति में है। मार्ग क्षतिग्रस्त होने से ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को जान जोखिम में डालकर आवाजाही करनी पड़ रही है। क्षेत्र पंचायत सदस्य रघुवीर सिंह भंडारी ने बताया कि वर्ष 2018 में पीएमजीएसवाई के तहत गहड़-देवगड़ी-पल्यापटाला मोटर मार्ग का निर्माण कार्य शुरू हुआ था। इस दौरान खोला-घंडियालधार पैदल मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया। आरोप है कि निर्माण के बाद विभाग की ओर से पैदल मार्ग का पुनर्निर्माण नहीं कराया गया, जिससे ग्रामीण परेशान हैं। उन्होंने बताया कि इस मार्ग से प्रतिदिन ग्रामीणों के साथ स्कूली बच्चे भी आवाजाही करते हैं। बरसात के समय फिसलन और टूटे रास्ते के कारण दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है। ग्रामीणों को सबसे अधिक परेशानी पशुओं को लाने-ले जाने में उठानी पड़ती है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में घंटाकर्ण देवता की जात आयोजित की जानी है। ऐसे में यदि मार्ग की स्थिति में सुधार नहीं किया गया तो श्रद्धालुओं को दिक्कतें होंगी। ग्रामीण राम सिंह, दीपचंद टम्टा, धीरज बर्तवाल समेत अन्य लोगों ने पीएमजीएसवाई लोनिवि कीर्तिनगर से जल्द पैदल मार्ग का सुधारीकरण किए जाने की मांग की है। वालकृष्ण, अवर अभियंता, पीएमजीएसवाई लोनिवि कीर्तिनगर का कहना है कि जिस स्थान पर मार्ग क्षतिग्रस्त है वहां पर करीब 20-22 मीटर ऊंचाई है इस कारण दीवार लगाना संभव नहीं है। पास में खेत स्वामी की अनुमति मिलने पर ही निर्माण किया जा सकेगा। इसके लिए ग्रामीणों को भी सहमति बनानी होगी। (एजेंसी)

राजभवन में गूंजा शिक्षा और तकनीक का नवाचार : पौड़ी गढ़वाल की टीम सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तराखंड में शिक्षा के स्तर को आधुनिक तकनीक और नवाचार से जोड़ने की दिशा में चलाए जा रहे ॡऑपरेशन कल्किॡ अभियान ने एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। राजभवन में आयोजित एक विशेष समारोह में राज्यपाल एवं शिक्षा सचिव रविनाथ रमन द्वारा इस अभियान को सफल बनाने वाले शिक्षकों और विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।राज्य के सभी 13 जनपदों को ॡएआई थीमॡ के माध्यम से एक मंच पर लाने और तकनीकी आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने में जनपद पौड़ी गढ़वाल का प्रदर्शन सराहनीय रहा। इस अवसर पर जिला समन्वयक श्रीमती रश्मि उनियाल सहायक अध्यापक विज्ञान राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ग्रास्टनगंज को उनके उत्कृष्ट नेतृत्व और समन्वय के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उनके मार्गदर्शन में जनपद के विद्यार्थियों ने तकनीक के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। अभियान के अंतर्गत अपनी तकनीकी दक्षता दिखाने वाले जनपद के निम्नलिखित छात्र-छात्राओं को राज्यपाल के करकमलों द्वारा सम्मानित किया गया। जिसमें आरूषि व अक्षतः राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ग्रास्टनगंज, रमन चौधरी जी.आई.सी. दुगड्डा, जतिनः जी.आई.सी. कुम्भीचौड़, याशिका ए.यू.जी.आई.सी. शामिल रहे। विद्यार्थियों की इस सफलता के पीछे उनके मार्गदर्शक शिक्षकों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में पूनम पांथरी, संगीता कुकरेती, श्रीमती कविता बिष्ट रावत के उत्कृष्ट मार्गदर्शन और समर्पण की सराहना की गई।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/चतुर्थ द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित है। जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या	52-DRM-MB-26-27 Date 11.05.2026		
कार्य का नाम	Elimination of Level Crossing No. 75/C Spl by providing LHS by pushing method on MB-GZB in the section of ADEN/HPU.		
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	09.06.2026	टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00
अनुमानित लागत	4,21,90,378.30	धरोहर राशि	8,43,800.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	8 माह	बिडिंग आरम्भ तिथि	26.05.2026

टेंडर नं. Sr.DEN-IV/Publication/26-27 दिनांक-13.05.2026 1596/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कब तक होगा परीक्षार्थियों के भविष्य से खिलवाड़?

डॉ. रमेश ठाकुर

करोड़ों लोग नीट परीक्षा लीक कांड की जांच को अब धूमिल होते देख रहे हैं। तसल्ली उन अभिभावकों को भी कर लेनी चाहिए,जो न्याय की उम्मीद लिए बैठे हैं। निष्पिक्ष जांच-पड़ताल की आस अब इसलिए भी नहीं की जा सकती। क्योंकि पूरा सिस्टम जांच छोड़कर, बड़ी मछलियों को बचाने में ही जुटेगा।

'नीट प्रश्नपत्र लीक' मामले में गिरफ्तारियों की धरपकड़ जारी है। पड़ताल का जिम्मा सीबीआई को सौंपा गया है। राजस्थान से कुछ आरोपी गिरफ्तार हुए हैं। लेकिन जो आरोपी पकड़े गए हैं वह सियासत से संबंध रखते हैं। पुलिस अभिरक्षा में उनका सार्वजनिक रूप से मीडिया के कैमरों पर बोलना कि वह तो मौहरे मात्र हैं। खिलाड़ी तो कोई और ही हैं वह बडे-बड़े स्तर के? आरोपियों के मुख से निकले ये शब्द निश्चित रूप से निष्पक्ष जांच की उम्मीदों पर ग्रहण लगाने के लिए प्याप्त हैं। यहीं से मुकम्मल जांच की उम्मीदें टूटती दिखाई पड़ती हैं। साढ़े 22 लाख परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ हुआ इतना बड़ा खिलवाड़ भी क्या एक कहानी बनकर सरकारी फाइलों में सिमट जाएगा?

करोड़ों लोग नीट परीक्षा लीक कांड की जांच को अब धूमिल होते देख रहे हैं। तसल्ली उन अभिभावकों को भी कर लेनी चाहिए,जो न्याय की उम्मीद लिए बैठे हैं। निष्पिक्ष जांच-पड़ताल की आस अब इसलिए भी नहीं की जा सकती। क्योंकि पूरा सिस्टम जांच छोड़कर, बड़ी मछलियों को बचाने में ही जुटेगा। ऐसा इस बार नहीं, पिछले तकरीबन सभी पेपर लीक कांड़ों में हुआ। नीट दाखिला परीक्षा है, भर्ती की पूरी की पूरी परीक्षा भारत में लीक होने लगी हैं। बावजूद इसके केंद्रीय हुकूमत कोई ऐसा उपाय नहीं कर पा रही जिससे परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ किया जाने वाला खिलवाड़ रूक सके।

पिछले 7 वर्षों में यानी 2019 से लेकर 2026 मई तक, भारत में विभिन्न स्तरीय प्रतियोगी लगभग 70 परीक्षाओं के पेपर लीक हुए। आज तक किसी मामले की जांच न पूरी हुई और ना किसी मामले में न्याय हुआ। प्रत्येक मामलों में छोटे स्तर के कर्मचारी ही पकडे.गए जिन्हें कुछ महीनों बाद या एकाध वर्षों में जमानत मिल गई। सबसे पहले दाखिला परीक्षा कराने वाली एनटीए को उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त कर देना चाहिए। एनटीए का कार्य इसलिए भी अब संतोषजनक नहीं,

क्योंकि वह पुराने तौर-तरीकों को अभी भी अपनाती है।अपने सिस्टम को रिफॉर्म भी नहीं करती। विश्व की प्रतिष्ठित भरोसेमंद परीक्षाओं से भी कुछ नहीं सीखती। इंटरनेट-कंप्यूटर के जमाने में भी प्रश्न पत्र मुद्रित करके परीक्षा केंद्रों पर पहुंचाने में विश्वास करती है।अगर ऐसा ही करना है तो प्रश्पपत्रों के सेट बदले हुए और अलग-अलग होने चाहिए ताकि किसी तरह की गड़बड़ी की संभावनाएं न हो। अगर खुदा ना खास्ता कुछ हो भी, तो पूरी परीक्षा रद ना की जाए, सिर्फ उसी सेंटर पर दोबारा परीक्षा करवाई जाए, जहां कुछ गड़बड़ी हुई हो? अगर ऐसे आधुनिक तरीके अपनाए जाते तो परीक्षार्थियों के साथ खिलवाड़ न होता।

केंद्र से लेकर राज्य सरकारें भी अच्छे से जानती हैं कि भारत में आयोजित होने वाली हर चौथी प्रतियोगी परीक्षा का पेपर का लीक होता है जिसमें पुलिस भर्ती और शिक्षा परीक्षाएं कुख्यात हैं। जबकि, नीट परीक्षा नौकरी या भर्ती की परीक्षा नहीं होती, मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए आयोजित होती है उसमें भी सेंधमारी, हद है? गौरतलब है अगर पूर्ववर्ती पेपर लीक मामलों में सख्ती और स्वतंत्र-निष्पक्ष जांच हुई होती और आरोपियों के नाम सार्वजनिक किए गए होते और सजा के तौर पर उम्रकैद या मोटा हजार्ना वसूला गया होता, तो ऐसे कांड करने वाले भय खाते, डरते। भविष्य में गड़बड़ी करने से तौबा भी करते? लेकिन लचीला कानून-प्रशासन का उदार रवैया और कमजोर सजा-जुमार्ने से आरोपी तनिक भी नहीं डरते। एक कांड करते हैं दूसरे की तैयारी में लगे होते हैं। फिलहाल मौजूदा नीट पेपर कांड पहला दोष तो परीक्षा कराने वाली संस्था 'नेशनल टेस्टिंग एजेंसी' यानी एनटीए का ही है। मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश की पात्रता परीक्षा नीट के सवाल लीक होने से पूरी परीक्षा रद्द करने की मजबूरी जितनी शर्मनाक है, उतनी ही चिंताजनक।

एनटीए का गठन 2017 में हुआ, तब से लेकर आज तक इस संस्था की विश्वसनीयता सवालों के घेरे में रही। 5 मई 2024 को भी जब इसी नीट परीक्षा में गडबड़झाला हुआ और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था। तब संस्था ने भविष्य में इस तरह की गलती दोबारा न करने का आश्वासन न सिर्फ अदालत को दिया था बल्कि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को भी भरोषा दिया था? पर, बेशर्मी देखिए मात्र 24 महीनों बाद भी उससे पहले से भी बड़ा कांड़ कर दिया। पिछली दफा इन्होंने कई छात्रों को पूरे-पूरे 720 नंबर दे डाले थे,जबकि वो सभी छात्र पढ़ने में सामान्य थे उनके मुकाबले टॉपरों को उनसे कहीं कम नंबर दिए गए थे। इस बार तो उससे भी बड़ा ब्लंडर हुआ। पेपर लीक की सूचना सबसे पहले राजस्थान से बाहर निकली। जहां, कई छात्रों के पास 140 से अधिक परीक्षा के मूल प्रश्नों से हूबहू प्रश्न गेस पेपरों में मिले।

लीक प्रश्नों पर सबसे पहले एनटीए की ओर से सफाई दी गई कि प्रश्न प्रिंटिंग प्रेस से लीक हुए। जबकि, सभी जानते हैं कि जहां पेपरों की छपाई होती है जहां परिंदा भी पर नहीं मार सकता। बेहद गुप्त स्थान होता है और वहां के कर्मचारियों को फोन तक रखने की इजाजत नहीं होती। ऐसे में प्रिंटिंग प्रेस से प्रश्नों के लीक होने का सवाल ही नहीं उठता। इस कांड में पूरा का पूरा सिंडिकेट शामिल होता है। समय का तकाजा है ऐसी विधि केंद्रीय लेबल पर बननी चाहिए, ताकि छात्रों के जीवन से कोई खिलवाड़ न कर पाए। केंद्र सरकार को आगे आकर हस्तक्षेप करना चाहिए। क्योंकि मौजूदा कांड में हुकूमत की चुप्पी सभी को अखर रही है। ऐसी घटनाओं के घट जाने के बाद छात्र सिर्फ सरकार से ही न्याय की उम्मीद करते हैं। उनकी उम्मीदें नहीं टूटनी चाहिए।

चिंतन शिविरः साझा दृष्टिकोण के ज़रिए भारत में खेलों के भविष्य को दिशा देना

पुलेला गोपीचंद

दो चिंतन शिविरों का हिस्सा बनने का अवसर प्राप्त करने के बाद, मैं भरोसे के साथ कह ??सकता हूँ कि यह आज भारतीय खेल जगत की सबसे सामयिक और असरदार पहलों में से एक है। हम अपने राष्ट्र की खेल यात्रा के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं, एक ऐसा मोड़ जहाँ इरादा, निवेश और प्रेरणा अभूतपूर्व रूप से एक साथ मिल रहे हैं।

पिछले एक दशक में, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत में खेल हाशिये से मुख्यधारा में आ गया है। इसके महत्व के प्रति भी साफ तौर पर राष्ट्रीय जागरूकता देखी जा सकती है, न केवल एक प्रतिस्पर्धी गतिविधि के रूप में, बल्कि स्वास्थ्य, अनुशासन और राष्ट्रीय गौरव के साधन के रूप में भी। आज, हम एक विशाल और विविध तंत्र देख रहे हैं, जहां राज्य सरकारें, गैर–सरकारी संगठन, निगम, संघ और ज़मीनी स्तर के संस्थान सभी मिलकर खेलों के विकास में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं।

चिंतन शिविर की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह सभी हितधारकों को एक साझा मंच पर लाता है। खेल अपने आप में कई क्षेत्रों से जुड़ा हुआ है, जिनमें विनिर्माण, मनोरंजन, फिटनेस, मीडिया और शिक्षा शामिल हैं। यह शिविर इन सभी क्षेत्रों को एक साथ लाने में मदद करता है, जिससे एक साझा दृष्टिकोण बनता है, जो दीर्घकालिक सफलता के लिए बेहद ज़रुरी है। यह देश के सामूहिक दृष्टिकोण को सामने लाता है और साथ ही विभिन्न राज्यों की सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रदर्शित करता है, जिससे अनुकरण और नवाचार को भी प्रोत्साहन मिलता है।चिंतन शिविर महज एक सम्मेलन से कहीं बढ़कर, एक शिक्षण तंत्र है। यह इसमें शामिल होने वाले लोगों को विचारों का आदान–प्रदान करने, चुनौतियों को समझने और मिलकर समाधान विकसित करने का अवसर देता है। यह एक शक्तिशाली प्रेरक के रूप में भी काम करता है, सफलता की तमाम कहानियों को सामने लाता है और इस विचार को और पुख्ता करता है कि भारत में खेल महज़ विशिष्ट पदकों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें भागीदारी, समावेशिता और राष्ट्र निर्माण भी शामिल है।फिट इंडिया मूवमेंट जैसी पहल, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन और साइक्लिंग प्रतियोगिताओं जैसी सामुदायिक गतिविधियों ने खेल के प्रति हमारे नज़रिए को नया रूप दिया है। आज के वक्त में जोर "सभी के लिए खेल" के साथ–साथ, उच्चतम स्तर पर उत्कृष्टता पर है। पदक जीतने की आकांक्षाएं और व्यापक भागीदारी अब अलग–अलग मुद्दे नहीं हैं, बल्कि वे एक ही प्रक्रिया का हिस्सा हैं।श्रीनगर में शिविर का आयोजन करने से इसका महत्व और भी बढ़ गया है। इस शहर की शांत सुंदरता न केवल खेलों की विचारधारा के लिए एक मनोरम पृष्ठभूमि प्रदान करती है, बल्कि शांत चिंतन का भाव भी देती है, जो सार्थक संवाद के लिए बेहद ज़रुरी है।इस चिंतन शिविर का एक अहम केंद्र बिंदु श्रीनगर खेल संकल्प को अपनाना था। यह संकल्प महज़ एक आशय का दस्तावेज़ नहीं, बल्कि यह एक एकीकृत ढांचा है, जो भारतीय खेल जगत के सभी हितधारकों की आकांक्षाओं को एक साथ बांधता है। साझा लक्ष्यों, प्राथमिकताओं और जिम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से रेखांकित करके, यह एक ऐसा रोडमैप तैयार करता है, जो विखंडन के बजाय सहयोग को प्रोत्साहित करता है।श्रीनगर खेल संकल्प की असली ताकत विभिन्न भागीदारों–सरकारों, संघों, निजी क्षेत्र और नागरिक समाज को एक मंच पर लाने की क्षमता में निहित है। यह इस विचारधारा को और पुख्ता करता है कि भारत के खेल जगत का उत्थान अलग–थलग प्रयासों से नहीं हो सकता।

चिंतन–मनन

आत्मज्ञान के लिए पात्रता

एक बार की बात है। एक धनिक सेठ एक पहुंचे हुए संत के पास पहुंचा और उनसे बोला, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना का प्रयास करता हूं। परंतु मेरा मन ध्यान में एकाग्र ही नहीं हो पाता। आप मुझे मेरे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। धनिक सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और वहां पर तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ कि एक पहुंचे हुए संत उसके घर पधारेंगे। उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए अच्छे-अच्छे पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका बहुत स्वागत सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के पात्र में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। यह देखकर वह बोला, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं। कमंडल में तो कूड़ा-करकट भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, अपितु वह भी कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। सबसे पहले पात्रता विकसित करो, तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे हैं, तो वे आत्मज्ञान को आत्मसात कैसे कर पाएंगे? एकाग्रता भी तभी बनती है, जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर धनिक सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह शुद्ध आचरण से तथा परोपकार के द्वारा पहले अपने को सुपात्र बनाएगा, ताकि उसे आत्मज्ञान सहजता से प्राप्त हो सके।

केरल से कांग्रेस आलाकमान का संदेशः जमीनी नेताओं को मिलेगी कमान

दिलीप कुमार पाठक

केरल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट की बंपर जीत के बाद कांग्रेस आलाकमान ने एक बहुत बड़ा और सकारात्मक राजनीतिक फैसला लिया है। दिल्ली दरबार ने किसी भी गुटबाजी के आगे न झुकते हुए केरल के लोकप्रिय नेता वी. डी. सतीशन को नया मुख्यमंत्री चुनकर देश भर के कार्यकताओं को एक ठोस संदेश दिया है। यह संदेश जनता की तरफ से नहीं, बल्कि खुद कांग्रेस नेतृत्व की ओर से आया है, जिसने यह जता दिया है कि अब पार्टी पुराने ढर्रे और गलतियों से सबक सीख चुकी है।

आलाकमान का यह कदम साफ इशारा करता है कि संगठन को मजबूत करने के लिए अब केवल जमीन पर पसीना बहाने वाले चेहरों को ही तवज्जो दी जाएगी।कांग्रेस के इतिहास में लंबे समय से एक बड़ी कमजोरी रही है, जहां जमीन पर रात-दिन काम करने वाले जनप्रिय नेताओं की जगह दिल्ली में लॉबिंग करने वाले नेताओं को कमान सौंप दी जाती थी। मध्य प्रदेश और राजस्थान के चुनावों में जनता और कार्यकर्ता दिल से चाहते थे कि ज्योतिरादित्य सिंधिया और सचिन पायलट जैसे ऊजार्वान युवाओं को मुख्यमंत्री बनाया जाए। लेकिन दिल्ली दरबार ने पुराने समीकरणों को प्राथमिकता देते हुए कमलनाथ और अशोक गहलोत के हाथों में सत्ता सौंप दी। नतीजा यह हुआ कि संगठन कमजोर होता गया और अंदरूनी कलह से राज्यों में बनी-बनाई सरकारें हाथ से निकल गईं या कमजोर हो गईं। ठीक ऐसा ही हाल आज कर्नाटक और हरियाणा में भी देखने को मिल रहा है। कर्नाटक में सिद्धासरमैया और डी. के. शिवकुमार के बीच की खींचतान और हरियाणा की आंतरिक गुटबाजी ने पार्टी संगठन को भारी नुकसान पहुंचाया है। केरल के ताजा फैसले से कार्यकताओं में यह बड़ी उम्मीद जगी है कि आलाकमान अब बहुत जल्द कर्नाटक और हरियाणा की इस आपसी लड़ाई को भी इसी कड़े नेतृत्व के साथ हमेशा के लिए दूर करेगा। पार्टी के शीर्ष नेताओं को अब बिना वक्त गंवाए इन दोनों राज्यों के मतभेदों को सुलझाना चाहिए ताकि वहां भी संगठन को एकजुट और मजबूत किया जा सके। केरल में लिया गया यह फैसला पूरी पार्टी के लिए एक बेहतरीन नजीर बन गया है।

वी. डी. सतीशन पिछले पांच सालों से विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में लगातार सरकार को घेर रहे थे और कार्यकताओं के सुख-दुख में साथ खड़े थे। आलाकमान ने जमीनी हकीकत को सर्वोपरि मानकर उनके नाम पर मुहर लगाई। इससे पैराशूट नेताओं का दौर खत्म हुआ है और कार्यकताओं में नया उत्साह जागा है। उन्हें यह भरोसा मिला है कि अब दिल्ली की पैरवी नहीं, बल्कि जमीन पर किया गया काम ही नेता तय करेगा। इस निर्णय के साथ ही विपक्ष का वह एजेंडा भी पूरी तरह हवा में उड़ गया, जिसमें दुष्प्रचार किया जा रहा था कि होने वाले मुख्यमंत्री इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के पसंदीदा हैं और कांग्रेस तुष्टिकरण के रास्ते पर चल रही है। सतीशन की धर्मनिरपेक्ष और बेदाग छवि ने इस पूरे राजनीतिक एजेंडे को ध्वस्त कर दिया है। क्यों कि मुख्यमंत्री पद की कमान संभालने से ठीक पहले, वी. डी. सतीशन ने तिरुवनंतपुरम के ऐतिहासिक श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर जाकर भगवान विष्णु की पूरी विधि-विधान से पूजा-पाठ की और उनका आशीर्वाद लिया। पारंपरिक सफेद मुंडू और शॉल में उनकी मंदिर की ये तस्वीरें यह साफ करती हैं कि वे जनता की सांस्कृतिक आस्थाओं का कितना गहराई से सम्मान करते हैं और सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास रखते हैं। कुल मिलाकर, केरल के बहाने कांग्रेस आलाकमान ने खुद को बदलने और सुधारने का एक बड़ा संदेश दिया है। अब पार्टी को बिना समय गंवाए कर्नाटक और हरियाणा जैसे राज्यों में चल रहे पुराने मकड़जाल को भी पूरी तरह साफ करना होगा। जब तक दिल्ली से थोपे जाने वाले फैसलों को बंद करके जमीनी संघर्ष करने वालों को हक नहीं मिलेगा, तब तक पूरे देश में संगठन मजबूत नहीं हो सकता। केरल का यह नया मॉडल ही कांग्रेस के भविष्य की असली राह है जिससे पूरे देश की राजनीति प्रभावित होगी।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्य???क्तिगत ?विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ?निवार्य नहीं है)

कब तक दोहराई जाती रहेंगी निर्भया जैसी त्रासदियां?

ललित गर्ग

दिल्ली के नांगलोई में एक निजी बस के भीतर महिला के साथ हुई बस कंडक्टर एवं ड्राइवर के दुष्कर्म की घटना ने एक बार फिर पूरे देश की चेतना को झकझोर दिया है। यह घटना केवल एक आपराधिक वारदात नहीं, बल्कि उस भयावह सामाजिक और प्रशासनिक विफलता का आईना है, जो वर्षों से हमारे सामने खड़ी है। चौदह वर्ष पहले निर्भया कांड के बाद देश की सड़कों पर जनसैलाब उमड़ा था। लोगों ने सोचा था कि अब व्यवस्था बदलेगी, कानून सख्त होंगे, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और समाज अपनी सोच बदलेगा। लेकिन आज जब उसी प्रकार की घटनाएं पुनः पुनः सामने आती हैं, तब यह प्रश्न और भी तीखा होकर उठता है कि आखिर हम बदले कहां हैं? सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर बार-बार ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं? इसका उत्तर केवल कानून की कमजोरी में नहीं, बल्कि समाज की उस विकृत मानसिकता में छिपा है, जहां महिला को आज भी बराबरी के सम्मान के साथ नहीं देखा जाता। आधुनिकता के चमकदार दावों के बीच भी पुरुष प्रधान सोच का अंधेरा जस का तस मौजूद है। महिलाओं को व्यक्ति नहीं, बल्कि उपभोग की वस्तु मानने वाली सोच आज भी अनेक मन-मस्तिष्कों में गहराई तक बैठी हुई है। यही कारण है कि सार्वजनिक स्थानों, कार्यस्थलों, स्कूल-कॉलेजों और यहां तक कि घरों के भीतर भी महिलाएं असुरक्षा का अनुभव करती हैं।

विडंबना यह है कि विज्ञान, तकनीक और आर्थिक विकास के इस दौर में भी समाज स्त्री के सम्मान और सुरक्षा के बुनियादी संस्कार विकसित नहीं कर पाया। बच्चों को शिक्षा तो दी जा रही है, लेकिन संवेदनाएं नहीं दी जा रहीं। घरों में बेटियों पर नियंत्रण और बेटों को छूट देने वाली मानसिकता आज भी कायम है। एक ओर लड़कियों को ह्लसावधान रहनेह्व की नसीहत दी जाती है, दूसरी ओर लड़कों को अपने व्यवहार और दृष्टि की मयार्दा सिखाने की गंभीर कोशिश बहुत कम दिखाई देती है। यही असंतुलन आगे चलकर अपराधों की जमीन तैयार करता है। प्रश्न यह भी है कि प्रशासन बार-बार ऐसी घटनाओं को रोकने में नाकाम क्यों हो रहा है? निर्भया कांड के बाद महिला सुरक्षा को लेकर बड़े-बड़े दावे किए गए थे। सीसीटीवी कैमरे, महिला हेल्पलाइन, फास्ट ट्रैक कोर्ट, पुलिस गश्त और सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा उपायों की लंबी घोषणाएं हुईं। लेकिन वास्तविकता यह है कि इन व्यवस्थाओं का बड़ा हिस्सा कागजों और भाषणों तक सीमित रह गया। निजी बसें आज भी बिना पर्याप्त निगरानी के चल रही हैं। कई स्थानों पर चालक और परिचालकों का समुचित सत्यापन तक नहीं होता। सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन अक्सर केवल औपचारिकता बनकर रह जाता है।

दुनियाभर में बालिकाओं के अस्तित्व एवं अस्मिता के लिये जागरूकता एवं आन्दोलनों के बावजूद बालिकाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। हमारे देश में भी ऐसा ही हो रहा है, बालिकाओं की स्थिति, लड़कियों की तुलना में लड़कों की बढ़ती संख्या, तलाक के बढ़ते मामले, गांवों में बालिका की अशिक्षा, कुपोषण एवं शोषण, बालिकाओं की सुरक्षा, बालिकाओं के साथ होने वाली बलात्कार की घटनाएं, अश्लील हरकतें और विशेष रूप से उनके खिलाफ होने वाले अपराधों पर प्रभावी चर्चा एवं कठोर निर्णयों से एक सार्थक वातावरण का निर्माण किये जाने की अपेक्षा है। क्योंकि एक टीस-सी मन में उठती है कि आखिर महिलाएं एवं बालिकाओं कब तक भोग की वस्तु बनी रहेगी? उसका जीवन कब तक खतरों से घिरा रहेगा? बलात्कार, छेड़खानी, भ्रूण हत्या और दहेज की धधकती आग में वह कब तक भस्म होती रहेगी? कब तक उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौचा जाता रहेगा?

सच्चाई यह है कि हमारी व्यवस्था अपराध होने के बाद सक्रिय होती है, अपराध रोकने के लिये नहीं। हर बार घटना के बाद गिरफ्तारी, जांच और बयानबाजी होती है, लेकिन अपराध की जड़ों तक पहुंचने की गंभीर पहल नहीं दिखाई देती। राजनीतिक दल कुछ दिनों तक आरोप-प्रत्यारोप करते हैं, मीडिया में बहस चलती है और फिर धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य मान लिया जाता है। लेकिन जिन परिवारों की बेटियां इस अमानवीयता का शिकार होती हैं, उनके जीवन में भय, पीड़ा और असुरक्षा स्थायी घाव बनकर रह जाते हैं। यह भी विचारणीय है कि आखिर महिलाएं और बालिकाएं बार-बार ऐसे अत्याचारों का शिकार क्यों बन रही हैं? इसका कारण केवल अपराधियों की क्रूरता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता भी है। सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सामूहिक जिम्मेदारी का अभाव दिखाई देता है। लोग तमाशबीन बन जाते हैं। कई बार पीड़िता को ही कठघरे में खड़ा कर दिया जाता है-उसके कपड़े, समय, जीवनशैली और व्यवहार पर सवाल उठाए जाते हैं। यह मानसिकता अपराधियों का मनोबल बढ़ाती है, क्योंकि उन्हें पता होता है कि समाज पूरी तरह पीड़िता के साथ खड़ा नहीं होगा। कब तक महिलाएं अपने ही शहरों, बसों, गलियों और कार्यस्थलों पर भय के साथ जीती रहेंगी? कब तक माता-पिता अपनी बेटियों के घर लौटने तक चिंता में डूबे रहेंगे? यह प्रश्न केवल महिलाओं का नहीं, बल्कि पूरे समाज की आत्मा का प्रश्न है। जिस समाज में आधी आबादी स्वयं को सुरक्षित महसूस न करे, वह समाज वास्तव में सभ्य नहीं कहलाया जा सकता।

आज आवश्यकता केवल कठोर कानूनों की नहीं, बल्कि कठोर सामाजिक आत्ममंथन की है। कानून अपराधी को दंड दे सकता है, लेकिन समाज ही मानसिकता बदल सकता है। स्कूलों और परिवारों में लैंगिक संवेदनशीलता की शिक्षा अनिवार्य होनी चाहिए। बेटियों को भय में जीना नहीं, बल्कि सम्मानपूर्वक जीना सिखाना होगा। फिल्मों, सोशल मीडिया और विज्ञापनों में स्त्री की वस्तुवादी छवि पर भी गंभीर विमर्श जरूरी है, क्योंकि संस्कृति और मनोरंजन भी समाज की सोच को प्रभावित करते हैं। प्रशासन को भी केवल घटनाओं के बाद की कार्रवाई तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सार्वजनिक परिवहन में रियल-टाइम जीपीएस, सीसीटीवी, पैनिक बटन और नियमित निगरानी को पूरी कठोरता से लागू करना होगा। निजी परिवहन संचालकों और कर्मचारियों का गहन सत्यापन अनिवार्य किया जाना चाहिए। पुलिस व्यवस्था को अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और सक्रिय बनाना होगा। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि समाज को यह समझना होगा कि महिला सुरक्षा कोई ह्लमहिला मुद्दाह्व नहीं, बल्कि मानवता और सभ्यता का प्रश्न है। जब तक स्त्री को समान सम्मान, स्वतंत्रता और सुरक्षा नहीं मिलेगी, तब तक विकास के सारे दावे अधूरे रहेंगे।

नांगलोई की यह घटना केवल एक समाचार नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी है। यदि अब भी हम नहीं जागे, तो निर्भया जैसी त्रासदियां बार-बार हमारे सामने आती रहेंगी और हर बार हमारी संवेदनहीनता, हमारी प्रशासनिक विफलता और हमारी विकृत मानसिकता हमें कठघरे में खड़ा करती रहेगी। प्रश्न यही है-आखिर कब तक? तमाम जागरूकता एवं सरकारी प्रयासों के बावजूद भारत में भी बालिकाओं की स्थिति में यथोचित बदलाव नहीं आया है। धर्मगुरु, राजनेता एवं समाजसुधारक महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति कितनी कुत्सित मानसिकता का परिचय देते आए हैं, यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है। इनके चरित्र का दोहरापन जगजाहिर हो चुका है। कोई क्या पहने, क्या खाए, किससे प्रेम करे और किससे शादी करें, सह-शिक्षा का विरोधी नजरिया- इस तरह की पुरुषवादी सोच के तहत बालिकाओं को उनके हकों से वंचित किया जा रहा है, उन पर तरह-तरह की बंदिशें एवं पहरे लगाये जा रहे हैं। ह्ययत्र पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवताह्ल- जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु आज हम देखते हैं कि नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे ह्यभोग की वस्तुह्ल समझकर आदमी ह्यअपने तरीकेह्ल से ह्यइस्तेमालह्ल कर रहा है, यह बेहद चिंताजनक बात है। आज अनेक शक्लों में नारी के वजूद को धुंधलाने की घटनाएं शक्ल बदल-बदल कर काले अध्याय रच रही है। देश में गैंग रेप की वारदातों में कमी भले ही आयी हो, लेकिन उन घटनाओं का रह-रह कर सामने आना त्रासद एवं दुःखद है।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूचना का अधिकार आमजन तक पहुंचाना आयोग का मूल उद्देश्य : कुंवर

स्वयं को पीड़ित की स्थिति में रखकर उनकी समस्याओं का समाधान करें प्रथम अपीलीय अधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : उत्तराखंड राज्य सूचना आयोग के सूचना आयुक्त दलीप सिंह कुंवर की अध्यक्षता में शनिवार को जिला सभागार, चमोली में जनपद स्तरीय लोक सूचना अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में सूचना के अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन, पारदर्शिता एवं जवाबदेही को मजबूत बनाने तथा लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए सूचना आयुक्त ने कहा कि आयोग का मूल उद्देश्य सूचना का अधिकार आमजन तक पहुंचाना है। कहा कि शासन व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सूचनाओं का समयबद्ध एवं सरल रूप से उपलब्ध होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी लोक सूचना अधिकारियों से ईमानदारी एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करने की अपील करते हुए कहा कि यदि सूचना उपलब्ध होने के बावजूद समय पर सूचना प्रदान नहीं की जाती है तो नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। सूचना आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पीड़ित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाते हुए उनकी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुना जाए तथा स्वयं को पीड़ित की स्थिति में रखकर उनकी समस्याओं के समाधान का प्रयास किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सूचना के प्रभावी प्रसार हेतु जागरूकता कार्यक्रमों को और अधिक सशक्त बनाया जाए, ताकि आम नागरिक अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो सकें। उन्होंने अपीलीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि आरटीआई से संबंधित प्रकरणों की प्रत्येक 15 दिन में नियमित समीक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि आरटीआई के तहत मांगी गई सूचनाओं को जिम्मेदारीपूर्वक उपलब्ध कराया जाए, जिससे लंबित प्रकरणों को समाप्त किया जा सके और प्रथम अपील स्तर पर ही अधिकांश मामलों का निस्तारण हो सके।

आईटीडीए व सैनिक कल्याण विभाग के तत्वाधान में रोजगार मेले का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार। सूचना प्रौद्योगिकी विकास एजेंसी आईटीडीए व सैनिक कल्याण विभाग के तत्वाधान में आईआरडीटी सभागार देहरादून मे रोजगार मेले का आयोजन किया गया , जिसमे हर वर्ष की भांति आईटीडीए कैल्क संस्थान कोटद्वार के छात्र छात्राओं ने भी रोजगार मेले मे प्रतिभाग किया।

संस्थान के निदेशक डॉ नन्द किशोर जखमोला ने बताया कि रोजगार मेले मे आईटी एवं अन्य क्षेत्रों मे प्रशिक्षित युवाओं के साथ पूर्व सैनिक के आश्रितों ने भी प्रतिभाग किया, 359 युवाओं ने रोजगार मेले मे हिस्सा लिया, जिनमे से 195 अभ्यर्थियों का चयन विभिन्न कंपनियों के लिए किया गया। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री प्रदीप बत्रा ने चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये कहा कि आईटीडीए के माध्यम से 628 पूर्व सैनिक आश्रितों को कम्प्यूटर और तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा चुका है ।

आईटीडीए कैल्क कोटद्वार संस्थान की सह निदेशिका श्रीमती अनीता जखमोला ,आईटीडीए केल्क संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी अरविन्द दुदपुड़ी सहित सभी शिक्षकों ने रोजगार मेले मे प्रतिभाग करने वाले संस्थान के छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी है।

एक नजर

तुंगनाथ और मद्महेश्वर यात्रा मार्गों पर सुविधाएं होंगी मजबूत

रुद्रप्रयाग। द्वितीय केदार श्री मद्महेश्वर और तृतीय केदार तुंगनाथ यात्रा को सुगम एवं व्यवस्थित बनाने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ–साथ यातायात और अन्य बुनियादी व्यवस्थाओं को मजबूत किया जा रहा है। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने बताया कि मद्महेश्वर यात्रा मार्ग को सुगम और सुव्यवस्थित बनाने के लिए विभिन्न विभागों के समन्वय से कार्य योजनाएं धरातल पर उतारी जा रही हैं। रांसी से गौंडार तक निर्माणाधीन सड़क मार्ग को दुरुस्त करने के साथ पैदल मार्ग को भी व्यवस्थित किया जा रहा है, ताकि खाद्यान्न और अन्य जरूरी सामग्री आसानी से पहुंच सके तथा यात्रियों को बेहतर सुविधा मिल सके। उन्होंने बताया कि तुंगनाथ क्षेत्र में भी पैदल मार्ग और चोपता में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए बनियाकुंड से आगे शटल सेवाएं शुरू की गई हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि द्वितीय और तृतीय केदार यात्रा मार्गों पर श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना शासन–प्रशासन की प्राथमिकता है।

रुद्रप्रयाग में बदला मौसम, केदारनाथ में बढ़ी ठंड

रुद्रप्रयाग। जनपद में शनिवार दोपहर बाद एक बार फिर मौसम ने करवट ली। जहां निचले क्षेत्रों में तेज बौछारों के साथ वर्षा हुई है वहीं ऊंचाई वाले इलाकों में बारिश के बाद बर्फबारी की संभावना बनी हुई है। जिला मुख्यालय, अगस्त्यमुनि, तिलवाड़ा, गुप्तकाशी, जखोली, ऊखीमठ और केदार घाटी सहित कई क्षेत्रों में बारिश होने से मौसम ठंडा हो गया है। केदारनाथ में मौसम में बदलाव होने पर भी यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं का उत्साह बना हुआ है। शनिवार को भी 26 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा केदार के दर्शन किए। यात्रा शुरू होने के बाद अब तक छह लाख तीर्थयात्री धाम पहुंच चुके है। पुलिस उपाधीक्षक गुप्तकाशी वेद प्रकाश भट्ट ने बताया पुलिस बल यात्रियों को कतारबद्ध करते हुए सोनप्रयाग शटल सेवा प्वाइंट तक भिजवा रहे है।

केदारनाथ में महिला यात्री की मौत

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा के दौरान एक महिला श्रद्धालु की मौत हो गई। मृतका विजयलक्ष्मी (72) निवासी राजनगर खैराबाग, हैदराबाद है। उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केदारनाथ लाया गया, जहां शुक्रवार देर शाम उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मृतका के साथ उनकी सहयात्री मंजुला मौजूद थीं। प्रशासन की ओर से रेस्क्यू टीम, वाईएमएफ आपदा मित्र और डीडीआरएफ की मदद से शव को केदारनाथ से गौरीकुंड लाकर जिला अस्पताल रुद्रप्रयाग लाया गया। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि केदारनाथ यात्रा के दौरान घायलों, बीमार यात्रियों व मृतकों को टीम की मदद से नजदीकी अस्पताल व गौरीकुंड लाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक यात्रा के दौरान विभिन्न कारणों से 28 लोगों की मौत हो चुकी है।

गोल्डन जुबली वर्ष पर आयोजित की प्रदर्शनी

नई टिहरी। ऑल सेंट कॉन्वेंट स्कूल के गोल्डन जुबली वर्ष पर विज्ञान व क्राफ्ट प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन एसडीएम कमलेश मेहता ने किया। प्रदर्शनी में छात्रों ने विभिन्न विषयों पर वर्किंग मॉडल, चार्ट मॉडल, पाइथागोरस प्रमेय, ज्यामिति पर थ्री डी मॉडल, ऊर्जा संरक्षण, ऊर्जा के प्राकृतिक स्त्रोत सहित कई नई खोज के मॉडल प्रस्तुत कर अपनी वैज्ञानिक क्षमता का प्रदर्शन किया। एसडीएम मेहता ने छात्र–छात्राओं द्वारा लागई गई मॉडल प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि सभी छात्रों ने बेहतर मॉडल प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। स्कूल के प्रबंधक फादर टीजे जोश ने कहा कि कॉन्वेंट स्कूल के गोल्डन जुबली वर्ष पर इस तरह के कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। डीएम नितिका खंडेलवाल, हंशराज बिष्ट, वीपी सेमवाल, शशिभूषण भट्ट सहित कई अभिभावक प्रदर्शनी देखने पहुंचे।

ग्रामीणों ने ली कानूनी जानकारी

रुद्रप्रयाग। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने शनिवार को ब्लॉक की ग्राम पंचायत गडोरा में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया । कार्यक्रम की अध्यक्षता सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पायल सिंह ने की। शिविर में ग्रामीणों को घरेलू हिंसा, भरण–पोषण, विवाह, तलाक और पैतृक संपत्ति में उत्तराधिकार से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी । साथ ही जरूरतमंद लोगों को निशुल्क विधिक सहायता योजनाओं के बारे में बताया गया। इसके अलावा श्रमिकों को ई–श्रम कार्ड, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, पेंशन, दुर्घटना सहायता और अन्य सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

शराब परोसने पर लगी पूर्ण पाबंदी

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। ब्लॉक के दूरस्थ गांव त्यूंखर में महिला मंगल दल ने निर्णय लेते हुए विवाह और सार्वजनिक कार्यक्रमों में शराब परोसने व बेचने पर पूर्ण पाबंदी लगा दी। ग्राम प्रधान माधुरी बुटोला की अध्यक्षता में हुई बैठक में ग्रामीणों ने प्रस्ताव पारित किया। विवाह समारोह व सामूहिक कार्यक्रम में शराब परोसने वाले पर 21 हजार रुपये का आर्थिक जुर्माना लगाया जाएगा। इसके साथ ही अवैध रूप से शराब बेचने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाही की जाएगी। बैठक में ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रिया बुटोला, महिला मंगल दल की अध्यक्ष आशा देवी पवार ने संयुक्त बयान में कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य गांव में एक सजग और स्वस्थ समाज की स्थापना करना है।

अवैध हथियारों का व्यापार सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा : डीएम

अवैध शस्त्र निगरानी समिति की बैठक हुई, डीएम ने निगरानी तंत्र मजबूत करने के दिए निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट में अवैध शस्त्र निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अवैध शस्त्रों की आवाजाही, आर्म लाइसेंसों के सत्यापन, लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्यवाही तथा जब्त हथियारों के प्रबंधन पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि अवैध हथियारों का व्यापार सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है और इसके उन्मूलन हेतु सभी सम्बंधित विभाग समन्वय के साथ कार्य करें।

जिलाधिकारी ने पुलिस एवं प्रवर्तन एजेंसियों को मजबूत इंटेलिजेंस नेटवर्क विकसित करने के निर्देश दिए, ताकि हथियारों की तस्करी के संभावित मार्गों और संदिग्ध व्यक्तियों पर निगरानी रखी जा सके। उन्होंने शस्त्र लाइसेंस धारकों के रिकॉर्ड का नियमित सत्यापन तथा सघन जांच सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही तहसीलों में स्थापित मालखानों में अनिवार्य रूप से सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए। बैठक में शस्त्र पटल सहायक द्वारा जानकारी दी गई कि वर्तमान में जनपद चमोली में शस्त्र से संबंधित कोई मुकदमा दर्ज नहीं है तथा कोई हथियार जब्त नहीं किया गया है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर तत्काल कठोर कार्रवाई की जाए।

भारी बारिश से चमियाला बाजार में सड़कें बनीं तालाब

नई टिहरी। टिहरी जनपद के चमियाला बाजार में शनिवार को हुई तेज बारिश ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी। कुछ ही देर की बारिश में बाजार क्षेत्र की सड़कें तालाब में तब्दील हो गईं, जबकि कई दुकानों में पानी घुसने से व्यापारियों को नुकसान उठाना पड़ा। बारिश के चलते नालियों का पानी सड़क पर बहने लगा, जिससे बाजार में जलभराव की स्थिति बन गई। लोगों को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। व्यापारियों ने प्रशासन से जल निकासी की व्यवस्था सुधारने की मांग की है, ताकि बरसात के मौसम में ऐसी समस्या दोबारा न हो।

बौराड़ी के लोगों को जल्द मिलेगी देवभूमि रजत जयंती पार्क की सौगात

नई टिहरी। नगर पालिका नई टिहरी क्षेत्र के लोगों को मनोरंजन और बच्चों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए देवभूमि रजत जयंती पार्क निर्माण की कवायद शुरू हो गई है। करीब 75 लाख रुपये की लागत से बनने वाले इस पार्क में बच्चों और लोगों के लिए आकर्षक स्वरूप दिया जाएगा। पार्क निर्माण को लेकर नगर पालिका ने टेंडर प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। देवभूमि रजत जयंती पार्क का निर्माण बौराड़ी नगर पालिका परिसर में महात्मा गांधी मूर्ति के समीप किया जाएगा। पार्क में बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के झूले, चर्खी, स्लाइड और अन्य मनोरंजन उपकरण लगाए जाएंगे। इसके अलावा पार्क में फूलों की क्यारियां, पैदल चलने के लिए पाथवे कार्य भी किए जाने है। नगर क्षेत्र में बच्चों और बुजुर्गों के लिए सीमित मनोरंजन स्थल है। देवभूमि रजत जयंती पार्क बनने से बौराड़ी में स्थानीय लोगों को सुबह–शाम वहां टहलने की सुविधा मिलेगी। नगर पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत ने बताया कि देवभूमि रजत जयंती पार्क निर्माण को लेकर टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जल्द निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। पार्क में बच्चों के मनोरंजन और लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आधुनिक व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी। नगर क्षेत्र को स्वच्छ, सुंदर और सुविधायुक्त बनाने की दिशा में नगर पालिका लगातार कार्य कर रही है।

रुद्रप्रयाग में बदला मौसम, बारिश से बढ़ी ठंड

रुद्रप्रयाग। जनपद में शनिवार दोपहर बाद एक बार फिर मौसम ने करवट ले ली। जहां निचले क्षेत्रों में तेज बारिश शुरू हो गईं, वहीं उंचाई वाले इलाकों में हल्की बारिश के साथ बर्फबारी की संभावना बनी हुई है। जिला मुख्यालय, अगस्त्यमुनि, तिलवाड़ा, गुप्तकाशी, जखोली, ऊखीमठ और केदार घाटी सहित कई क्षेत्रों में बारिश होने से मौसम ठंडा हो गया है। उधर, केदारनाथ में भी मौसम में बदलाव के बावजूद केदारनाथ यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं का उत्साह बना हुआ है। शनिवार को भी 28 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा केदार के दर्शन किए। वहीं यात्रा शुरू होने के बाद अब तक दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा छह लाख पहुंच गया है।

सीएचसी में विशेषज्ञ चिकित्सक नियुक्त कर अल्ट्रासाउंड सेवा शुरू करें

नई टिहरी। जौनपुर ब्लॉक मुख्यालय थत्यूड़ का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेफर सेंटर बनकर रह गया है। अस्पताल में लंबे समय से विशेषज्ञ चिकित्सक नहीं होने के कारण मरीजों को मसूरी और देहरादून के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। अस्पताल में अल्ट्रासाउंड जांच सुविधा नहीं होने के कारण गर्भवती महिलाओं को सबसे अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

क्षेत्र के लोगों ने डीएम को दिए ज्ञापन में कहा कि 31 मई 2026 तक स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार नहीं किया गया तो क्षेत्र के लोगों को आंदोलन शुरू करना पड़ेगा।

थत्यूड़ से जिला मुख्यालय डीएम से मिलने पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि जौनपुर के लोगों को सीएचसी थत्यूड़ से कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सक और अल्ट्रासाउंड जैसी सुविधा नहीं होने के कारण अस्पताल सफेद हाथी साबित हो रहा है। अस्पताल में लंबे समय से हड्डी रोग विशेषज्ञ और दंत चिकित्सक की नियुक्ति नहीं हो पाई है।

अस्पताल से अल्ट्रासाउंड मशीन भी हटा दी गई है। गर्भवती महिलाओं को अल्ट्रासाउंड जांच के लिए 40 किमी दूर मसूरी और 75 किमी दूर देहरादून जाना पड़ रहा है जबकि गर्भवती महिलाओं के लिए लंबा सफर जोखिमभरा हो सकता है। थत्यूड़ से ढ़ाणा अस्पताल रोड भी खस्ताहाल है।

उन्होंने कहा कि 31 मई मक सीएचसी थत्यूड़ में शीघ्र ही हड्डीरोग विशेषज्ञ, दंत चिकित्सक, अल्ट्रासाउंड सेवा, आपातकालीन सेवा, अस्पताल में प्रसव सेवा और पर्याप्त दवाइयां उपलब्ध नहीं कराई जाती है तो विभाग के खिलाफ आंदोलन शुरू किया जाएगा।

जौनपुर ब्लॉक प्रमुख सीता पंवार ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में लोगों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों मं अमित बडियाडी,क्षेपंस अनीष कुमार और अर्जुन आदि शामिल थे।

सीतापुर सोनप्रयाग के बीच लग रहा है जाम

रुद्रप्रयाग। सीतापुर से सोनप्रयाग के बीच जाम से तीर्थ यात्रियों के साथ–साथ आम राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मार्ग सकरा होने के कारण जाम की स्थिति बन रही है। इससे गौरीकुंड पहुंचने में यात्रीयों को घंटों लग रहे है। गुप्तकाशी से सीतापुर जाने वाली बसें यही पार्किंग में पहुंचती हैं और छोटे और हल्के वाहन इसी मार्ग से सोनप्रयाग पार्किंग में पहुंचते हैं। मार्ग वन वे होने के बाद भी यहां जाम लगता है। मनोज सेमवाल ने बताया कि यात्रियों के वाहन मार्ग में आड़े तिरछे खड़े होने के कारण जाम की स्थिति बन रही है। सोनप्रयाग कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राकेंद्र कठैत ने बताया कि जाम को समय से खोला जा रहा है।

मेहलचौरी में बाइक चोरी, अज्ञात चोरों की तलाश जारी

चमोली। मेहलचौरी कस्बे से शुक्रवार रात एक मोटर बाइक चोरी हो गई। बाइक मालिक राहुल नेगी ने बताया कि शुक्रवार रात करीब दस बजे वह अपने आवास पर लौटे और बारिश के कारण जल्दबाजी में एक फोटो स्टूडियो के सामने बाइक को बिना लॉक किए खड़ा कर दिया। शनिवार सुबह बाइक गायब देखकर उन्होंने मेहलचौरी पुलिस चौकी में चोरी की सूचना दी। कोतवाली निरीक्षक मनोज सिरौला ने बताया कि चोरों की तलाश जारी है और सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। उन्होंने जल्द ही चोरों का पता लगाने का आश्वासन दिया। स्थानीय निवासी सुरेश कुमार बिष्ट, प्रेम संगेला, अवतार नेगी और मोहन सिंह नेगी ने बताया कि कस्बे में यह पहली बाइक चोरी की घटना है। उन्होंने पुलिस से शीघ्र चोरी का पर्दाफाश करने की मांग की है।

देवताल जाने के लिए श्रद्धालुओं को करना पड़ेगा इंतजार

चमोली। भारत–चीन सीमा के पास स्थित देवताल के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं को अभी इंतजार करना पड़ेगा। यहां मार्ग की स्थिति ठीक नहीं होने पर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। माणा से करीब 50 किमी की दूरी पर स्थित देवताल में हर साल भारी संख्या में श्रद्धालु जाते हैं। आम तौर पर यात्रा सीजन शुरू होने के कुछ दिन बाद देवताल जाने की भी अनुमति मिल जाती थी लेकिन इस साल अभी देवताल जाने के लिए श्रद्धालुओं व पर्यटकों को इंतजार करना पड़ेगा। यहां जाने के लिए प्रशासन से अनुमति की जरूरत पड़ती है इसके लिए ऑनलाइन पंजीकरण की व्यवस्था है लेकिन मार्ग खराब होने के कारण प्रशासन की ओर से अभी अनुमति नहीं दी जा रही है। सिर्फ घस्तोली तक ही पर्यटकों को जाने दिया जा रहा है। एसडीएम चंद्रशेखर वशिष्ट ने बताया कि देवताल जाने की अभी अनुमति नहीं दी जा रही है, कुछ स्थानों पर मार्ग खराब है, मार्ग सुचारू होने पर अनुमति दी जाएगी, अभी घस्तोली तक जाने की अनुमति दी जा रही है।

सेलाकुई औद्योगिक क्षेत्र में श्रमिकों का गुस्सा चरम पर

विकासनगर। सेलाकुई औद्योगिक क्षेत्र में श्रमिकों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। आज सुबह डिक्शन फैक्ट्री के बाहर बड़ी संख्या में श्रमिकों ने जोरदार प्रदर्शन किया। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया, जिसके बाद कुछ श्रमिकों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। इस घटना में दो पुलिसकर्मी और कंपनी का एक सुरक्षा गार्ड घायल हो गए।पिछले दो दिनों से डिक्शन और विंडलास कंपनियों के श्रमिक वेतन वृद्धि और शोषण के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। कल भी भारी हंगामा हुआ था और आज यह और अधिक उग्र हो गया। पुलिस ने भीड़ को हटाने की कोशिश की, लेकिन श्रमिकों के भड़कने से हालात बिगड़ गए और स्थिति नियंत्रण से बाहर होती दिखी। इसी दौरान पास की ग्लोबल मेडिकिट लिमिटेड फैक्ट्री के श्रमिक भी हड़ताल पर उतर आए और प्रदर्शन शुरू कर दिया। इससे औद्योगिक क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया। हंगामा बढ़ता देख आसपास के थानों से अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर बुलाया गया। जिला प्रशासन और श्रम विभाग के अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने श्रमिकों और कंपनी प्रबंधन से वार्ता की और आश्वासन दिया कि श्रमिकों की समस्याओं का समाधान जल्द किया जाएगा। प्रशासन ने कहा कि वेतन वृद्धि और श्रमिकों की मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा।

लगातार बढ़ते विरोध और टकराव से औद्योगिक क्षेत्र में असुरक्षा का माहौल बन गया है। श्रमिकों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, आंदोलन जारी रहेगा। वहीं प्रशासन और पुलिस स्थिति को नियंत्रित करने में जुटे हैं ताकि औद्योगिक गतिविधियां सामान्य हो सकें।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

संक्षिप्त समाचार

बोलीविया की राजधानी में खनिकों और पुलिस के बीच झड़प

सुक्रे, एजेंसी। शुक्रवार को बोलीविया की राजधानी में खनिकों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं। खनिक सरकारी महल में घुसने का प्रयास कर रहे थे और डायनामाइट चार्ज का उपयोग कर रहे थे। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस छोड़ी। खनिक श्रम सुधारों, ईंधन और राष्ट्रपति के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। राष्ट्रपति रोड्रिगो पाज के प्रशासन को चुनौती मिल रही है। किसानों की मांग पर एक कानून रद्द होने के बावजूद प्रदर्शन जारी हैं।

अमेरिकी सीमा गश्ती प्रमुख माइकल बैंक्स का इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की संघीय सीमा गश्ती एजेंसी के प्रमुख माइकल बैंक्स ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने फॉक्स न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में बताया कि उनका इस्तीफा तुरंत प्रभावी है। बैंक्स ने कहा कि यह सही समय है। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने देश की सीमा को सबसे सुरक्षित बना दिया है। पहले यह सीमा कम सुरक्षित और अराजक थी। गृह सुरक्षा विभाग ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

रूबियो ने कहा- ताइवान पर चीन की सैन्य कार्रवाई बड़ी गलती होगी

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप के साथ चीन दौरे पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बृहस्पतिवार को साफ किया कि ताइवान के प्रति अमेरिका की नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चीन की ओर से बलपूर्वक ताइवान पर कब्जा करना चीन की भयानक भूल होगी। रुबियो ने कहा कि चीन, द्विपक्षीय वार्ताओं के दौरान लगातार ताइवान का मुद्दा उठाता है। हालांकि, जिनपिंग की ओर से दी गई चेतावनी पर उन्होंने कोई सीधी टिप्पणी करने से परहेज किया।

कनाडा ने 2050 तक बिजली ग्रिड दोगुना करने की रणनीति पेश की

ओटावा, एजेंसी। कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शुक्रवार को स्वच्छ बिजली रणनीति का अनावरण किया। इसका लक्ष्य 2050 तक कनाडा के बिजली ग्रिड को दोगुना करना और ऊर्जा लागत कम करना है। इस रणनीति में प्राकृतिक गैस की बड़ी भूमिका होगी। निर्माण पर 1 ट्रिलियन कनाडाई डॉलर से अधिक खर्च होने का अनुमान है। कार्नी ने कहा कि यह योजना सामर्थ्य, प्रतिस्पर्धा और शुद्ध शून्य उत्सर्जन का मार्ग है। इसमें पनबिजली, परमाणु, पवन, सौर सहित विभिन्न ऊर्जा स्रोतों का उपयोग होगा। कनाडाई जलवायु संस्थान ने इसे सही दिशा में बताया पर कुछ मुद्दे अस्पष्ट हैं।

आतंक के खिलाफ भारत-फिलीपीन एकजुट, बढ़ेगा तकनीकी सहयोग

मनीला, एजेंसी। भारत और फिलीपीन ने आतंकवाद के खिलाफ सहयोग और मजबूत करने पर सहमति जताई है। मनीला में आयोजित भारत-फिलीपीन आतंकरोधी संयुक्त कार्य समूह की दूसरी बैठक में दोनों देशों ने सीमा पार आतंकवाद समेत हर प्रकार के आतंकवाद की कड़े शब्दों में निंदा की। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने भारत में हाल में हुए आतंकी हमलों का भी जिक्र किया। इसमें पिछले वर्ष 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले और 10 नवंबर को लाल किले के पास हुए विस्फोट की कड़ी आलोचना की गई। फिलीपीन ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के प्रति अपनी एकजुटता और अटूट समर्थन दोहराया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव डॉ. विनोद बहाड़े ने किया, जबकि फिलीपीन की ओर से विदेश विभाग के सहायक सचिव मार्शल लुई एम. अल्फेरेज सह-अध्यक्ष रहे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, बैठक में आतंकियों द्वारा उभरती तकनीकों के दुरुपयोग को रोकने और आतंकवाद के वित्तपोषण पर लगाम लगाने के लिए खुफिया और अन्य सूचनाएं साझा करने पर सहमति बनी। दोनों देशों ने कानून प्रवर्तन, न्यायिक सहायता और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा की। बैठक में कट्टरपंथ और हिंसक उग्रवाद को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने पर भी विचार-विमर्श हुआ। दोनों देशों ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सहयोग को और व्यापक बनाने की जरूरत है। भारत और फिलीपीन ने संयुक्त राष्ट्र, एफएटीएफ और आसियान क्षेत्रीय मंच जैसे बहुपक्षीय मंचों पर एक-दूसरे का समर्थन जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने फिलीपीन की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की।

फिर कटघरे में काश पटेल, समुद्र में छुट्टी और यात्राओं को लेकर चौंकाने वाले दावे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई के निदेशक काश पटेल एक बार फिर मुश्किलों में घिर गए हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपनी सरकारी यात्राओं के दौरान काम के साथ-साथ निजी मौज-मस्ती को मिला दिया। ताजा विवाद उनके हवाई दौरे को लेकर है, जहां उन्होंने पर्ल हार्बर स्मारक जैसे पवित्र और संवेदनशील स्थान पर 'स्नॉर्कलिंग' (समुद्र की सतह पर तैरना) की। चौंकाने वाली बात यह है कि जिस जगह वह तैराकी कर रहे थे, वह द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए 900 से अधिक अमेरिकी सैनिकों की जलमग्न समाधि है। इस खुलासे के बाद अमेरिका में उनके पद के दुरुपयोग को लेकर बहस छिड़ गई है।

हवाई दौरे के दौरान आखिर क्या छिपाया गया : सरकारी ईमेल से मिले दस्तावेजों के आधार पर यह खुलासा हुआ है कि पिछले साल अगस्त में काश पटेल जब हवाई गए थे, तो एफबीआई ने इसे पूरी तरह सरकारी दौरा बताया था। आधिकारिक रिपोर्ट में कहा गया कि उन्होंने वहां कानून लागू करने वाली एजेंसियों से मुलाकात की। लेकिन, एफबीआई ने यह बात दबा ली कि आधिकारिक काम खत्म होने के बाद पटेल दो दिनों के लिए वहां वापस लौटे और 'वीआईपी स्नॉर्कलिंग' का लुत्फ उठाया। उन्होंने यूएसएस एरिजोना युद्धपोत के मलबे के पास तैराकी की, जो एक मिलिट्री कब्रिस्तान है। आम

लोगों के लिए यहां तैरना या गोताखोरी करना सख्त मना है, क्योंकि यह 1941 में जापान के हमले में मारे गए वीरों की याद में बना एक अत्यंत पवित्र स्थल है।

क्या काश पटेल का यह व्यवहार एक पुराने पैटर्न का हिस्सा है : काश पटेल पर संसाधनों के गलत इस्तेमाल के आरोप नए नहीं हैं। आलोचकों का कहना है कि वे अक्सर सरकारी विमान और सुविधाओं का उपयोग अपनी छुट्टियों और निजी शौक पूरा करने के लिए करते हैं। अभी कुछ समय पहले फरवरी में भी वह तब विवादों में आए थे, जब मिलान में शीतकालीन ओलंपिक के दौरान अमेरिकी हॉकी टीम के साथ जश्न मनाते हुए उनका वीडियो सामने आया था। उस समय पटेल ने सफाई दी थी कि वह साइबर अपराध की जांच के लिए वहां गए थे। अब पर्ल हार्बर के पवित्र स्थल पर उनकी इस गतिविधि को 'गंभीर विचलन' माना जा रहा है, जिससे उनकी पेशेवर छवि पर सवाल उठ रहे हैं।

स्नॉर्कलिंग के लिए सेना और पार्क सर्विस ने कैसे दी अनुमति : यूएसएस एरिजोना स्मारक की देखरेख नौसेना और नेशनल पार्क सर्विस करती है। हालांकि यहां गोताखोरी वर्जित है, लेकिन ओबामा प्रशासन के समय से ही कुछ बेहद खास वीआईपी अधिकारियों को यहां तैराकी की गोपनीय अनुमति दी जाती रही है। नौसेना ने इस बात की पुष्टि की है कि पटेल की इस यात्रा के लिए सैन्य अधिकारियों ने समन्वय किया था। तैराकी के दौरान उन्हें हिदायत दी गई थी कि वे जहाज के मलबे को न छुएं। हालांकि, पार्क सर्विस ने इस पूरे मामले से दूरी बना ली है और कहा है कि वे इस गतिविधि में शामिल नहीं थे। 1993 के बाद से किसी भी अन्य एफबीआई निदेशक ने इस तरह की गतिविधि वहां नहीं की है।

शहीदों के सम्मान और नैतिकता पर क्या कह रहे हैं विशेषज्ञ : पूर्व संघीय अभियोजकों और विशेषज्ञों का कहना है कि एफबीआई निदेशक का ध्यान अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा पर होना चाहिए, न कि ऐसी विवादास्पद गतिविधियों पर। पूर्व सैनिकों ने भी इस पर नाराजगी जताई है। एक पूर्व मरीन सैनिक ने कहा कि शहीदों की समाधि पर इस तरह मौज-मस्ती करना वैसा ही है जैसे किसी चर्च में शादी से पहले की शराब पार्टी करना। यह स्थल एक सैन्य कब्रिस्तान है और इसे पूरी गरिमा के साथ सम्मान दिया जाना चाहिए।

आईसीसी के वांछित फिलीपीनी सीनेटर रोनाल्ड संसद से फरार

मनीला, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के वांछित फिलीपीन के सीनेटर रोनाल्ड डेला रोजा सीनेट (संसद) से फरार हो गए हैं। मानवता के खिलाफ अपराध के आरोपों का सामना कर रहे रोजा ने गिरफ्तारी से बचने के लिए सीनेट में शरण ले रखी थी। घटना बुधवार की रात उस समय हुई जब सीनेट की सुरक्षा में तैनात कर्मियों और एक सरकारी एजेंट के बीच तीखी बहस के दौरान अचानक गोलीबारी शुरू हो गई। इस अफरा-तफरी का फायदा उठाकर सीनेटर कड़ी सुरक्षा वाले परिसर से निकलने में कामयाब रहे। सरकारी एजेंट उन्हें गिरफ्तार करने पहुंचे थे। पूर्व पुलिस प्रमुख रहे रोजा पर आरोप है कि उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते के कार्यकाल में मादक पदार्थ विरोधी अभियान के दौरान 32 लोगों की हत्या की थी। घटना के बाद देश में तनाव को देखते हुए राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने देर रात टीवी पर संबोधन जारी कर जनता से शांति बनाए रखने की अपील की। फिलहाल, पुलिस इस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है। सीनेट के अध्यक्ष एलन कैयेतानो ने स्पष्ट किया।

पाकिस्तान का विदेश मंत्रालय बोला - भारत में दोनों देशों के बीच संवाद की मांग उठाने का स्वागत है

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने भारत में दोनों देशों के बीच संवाद की मांग उठाने का स्वागत किया है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा कि शांति, सुरक्षा और साझा समृद्धि को आगे बढ़ाने के लिए रचनात्मक साझेदारी और बातचीत जरूरी हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी से साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान भारत के पूर्व सेना प्रमुख जनरल (सेवानिवृत्त) मनोज नरवणे की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देने के लिए कहा गया था। जनरल नरवणे ने आरएसएस नेता दत्तात्रेय होसबाले के उस बयान का समर्थन किया था कि पाकिस्तान के साथ बातचीत के लिए हमेशा एक खिड़की खुली रहनी चाहिए।

आधिकारिक प्रतिक्रिया का करेंगे इंतजार :पाकिस्तान : ताहिर अंद्राबी ने कहा, 'भारत के भीतर से संवाद के लिए आवाजें उठना साफ तौर पर एक सकारात्मक विकास है। हमें उम्मीद है कि भारत की ओर से बातचीत की कोशिश होगी। हम निश्चित रूप से देखेंगे कि क्या भारत में इन आवाजों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया आती है।'

बैक-चैनल संपर्क पर साधी चुप्पी : हालांकि, अंद्राबी ने दोनों पक्षों के बीच बैक-चैनल संपर्क की पुष्टि या खंडन करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'ट्रैक टू या बैक चैनल के बारे में - खैर, मैं इसके बारे में नहीं जानता और उन पर टिप्पणी नहीं करना चाहता। अगर मैं टिप्पणी करता, तो कोई बैक चैनल नहीं होता। बैक चैनल या ट्रैक टू, नाम

अपने आप में स्पष्ट है।

शांति और कूटनीति के प्रति प्रतिबद्धता : प्रवक्ता ने इस बात पर भी जोर दिया कि पाकिस्तान का मानना है कि रचनात्मक साझेदारी और ईमानदार संवाद शांति, सुरक्षा और सभी के लिए साझा समृद्धि को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने कहा, 'हम कूटनीति के सिद्धांतों, संप्रभुता के सम्मान और सार्थक अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं, जो क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक सद्भाव का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता पर क्या बोला पाकिस्तान : अमेरिका-ईरान शांति वार्ता पर उन्होंने कहा कि पाकिस्तान दोनों पक्षों के बीच स्थायी शांति के लिए अपनी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि शांति प्रक्रिया बरकरार है और चल रही है। उन्होंने कहा, 'हम कोशिशों में लगे हुए हैं। हम आशावादी बने हुए हैं। शांति प्रक्रिया में गति लाना मुख्य रूप से दो प्रमुख वार्ताकारों का विशेषाधिकार है। पाकिस्तान अपनी ओर से कोशिश में लगा हुआ है।

होर्मुज खुलने के बाद भी तुरंत नहीं सुधरेंगे हालात, सिंगापुर के पीएम ने दी बड़े संकट की चेतावनी

सिंगापुर , एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे भारी टकराव के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य पिछले दो महीने से अधिक समय से बंद है, जिससे पूरी दुनिया के सामने एक गंभीर संकट खड़ा हो गया है। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने अपनी जनता को आगाह करते हुए स्पष्ट किया है कि अगर होर्मुज का यह समुद्री रास्ता फिर से खुल भी जाता है, तो भी हालात तुरंत सामान्य नहीं होंगे। बंदरगाहों और ऊर्जा ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है, साथ ही जलमार्गों को बारूदी सुरंगों से मुक्त करने और जहाजों की सुरक्षित आवाजाही का विश्वास बहाल करने में काफी लंबा समय लगेगा। प्रधानमंत्री ने 1970 के दशक के तेल संकट की याद दिलाते हुए चेतावनी दी है कि इस रुकावट का असर सिर्फ ऊर्जा और पेट्रोल-डीजल तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि दुनियाभर में उर्वरक, खाद्य पदार्थों और अन्य जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति भी बुरी तरह से प्रभावित होगी। खाड़ी देशों पर बहुत अधिक निर्भर होने के कारण एशिया के कई देशों में पहले से ही ईंधन की भारी कमी हो गई है, जिससे उड़ानें रद्द हो रही हैं और कारखानों का काम रुक गया है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने भी इस वर्तमान संकट को 70 के दशक से कहीं ज्यादा खतरनाक बताया है। प्रधानमंत्री वोंग ने कहा है कि वैश्विक स्तर पर महंगाई और आर्थिक मंदी का खतरा बहुत तेजी से बढ़ रहा है, इसलिए आपूर्ति में होने वाली इस निरंतर बाधा और आने वाले बेहद कठिन समय का सामना करने के लिए सभी को मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार रहना चाहिए।

भारतीय जहाज पर हमले की यूएई ने की निंदा: बोला- समुद्री सुरक्षा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

अबू धाबी , एजेंसी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शुक्रवार को अबू धाबी दौरे से ठीक पहले संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने ओमान तट के पास भारतीय ध्वज वाले एक जहाज पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। यूएई ने इसे आतंकी हमला और अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया साथ ही भारत के साथ पूरी एकजुटता की बात कही है।

भारतीय जहाज पर हुआ हमला खतरनाक उकसावा : यूएई के विदेश मंत्रालय (एमओएफए) ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि ओमान के समुद्री क्षेत्र के पास भारतीय जहाज पर हुआ हमला 'खतरनाक उकसावा' है, जिसका उद्देश्य अहम समुद्री रास्तों की स्थिरता को नुकसान पहुंचाना है। मंत्रालय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय

व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाना पूरी तरह अस्वीकार्य है और इससे वैश्विक समुद्री सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ सकता है।

भारत के हर कदम का समर्थन - संयुक्त अरब अमीरात : यूएई ने भारत को भरोसा दिलाया कि वह भारतीय जहाजों और समुद्री हितों की सुरक्षा के लिए उठाए जाने वाले हर कदम का समर्थन करेगा। बयान में कहा गया कि यह हमला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उस प्रस्ताव का उल्लंघन है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की स्वतंत्र आवाजाही सुनिश्चित करने की बात कही गई है। यूएई ने बिना किसी देश या संगठन का नाम लिए कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे अहम समुद्री रास्तों का इस्तेमाल 'आर्थिक दबाव' या 'ब्लैकमेल' के लिए करना समुद्री डकैती जैसा है और इससे पूरे क्षेत्र की स्थिरता, लोगों की सुरक्षा और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को खतरा पैदा होता है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी की घटना की निंदा : वहीं भारत के विदेश मंत्रालय ने भी इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय झंडे वाले जहाज पर हमला पूरी तरह अस्वीकार्य है और व्यापारिक जहाजों तथा आम नाविकों को लगातार निशाना बनाया जाना बेहद चिंताजनक है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि जहाज पर मौजूद सभी भारतीय चालक दल सुरक्षित हैं और ओमान प्रशासन ने उन्हें बचाने में मदद की है। भारत ने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों पर हमले और समुद्री व्यापार में बाधा डालने वाली घटनाओं से बचना चाहिए। हालांकि भारत सरकार ने अभी तक जहाज का नाम या हमले में किसी नुकसान की आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की है, लेकिन सरकारी सूत्रों के मुताबिक नई दिल्ली पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी की अबू धाबी यात्रा के दौरान यह मुद्दा प्रमुखता से उठ सकता है। भारत और यूएई के बीच खाड़ी क्षेत्र और अरब सागर में समुद्री सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा होने की संभावना है।

हथियार तस्करी के मामले में भारतीय मूल के युवक को सजा

सैक्रामेंटो, एजेंसी। अमेरिका में भारतीय मूल के 27 वर्षीय युवक जशनप्रीत सिंह को अवैध हथियारों की तस्करी और मशीन गन रखने के मामले में पांच साल चार महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। जशनप्रीत कैलिफोर्निया के लोदी शहर का रहने वाला है और उसने 'पंजाबी डेविल्स' नाम का एक मोटरसाइकिल गैंग बनाया था। यह गैंग अमेरिका के कुख्यात बाइकर्स संगठन 'हेल्स एंजल्स' से जुड़ा बताया गया है।'

कैलिफोर्निया के स्टॉकटन इलाके में सक्रिय बाइकर गैंग : अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक 'पंजाबी डेविल्स' कैलिफोर्निया के स्टॉकटन इलाके में सक्रिय था। अमेरिकी अटॉर्नी एरिक ग्रांट ने बताया कि जशनप्रीत सिंह को गैरकानूनी तरीके से हथियार बेचने

और मशीन गन रखने का दोषी पाया गया। अदालत में पेश दस्तावेजों के अनुसार, जून 2025 में उसने एक अंडरकवर पुलिस अधिकारी को कई खतरनाक हथियार बेचने की कोशिश की थी। इनमें शॉर्ट बैरल राइफल, तीन असॉल्ट हथियार, मशीन गन में बदलने वाले उपकरण और एक रिवॉल्वर शामिल थे।

पुलिस की छापेमारी में घर से मिले हथियार : इसके बाद पुलिस ने उसके घर पर छापा मारा, जहां से और भी हथियार बरामद हुए। अधिकारियों को एक मशीन गन, मशीन गन कन्वर्जन डिवाइस और साइलेंसर मिला। जांच के दौरान पुलिस को एक हैंड ग्रेनेड और सैन्य इस्तेमाल में आने वाला क्लेमोर माइन जैसा विस्फोटक भी मिला। खतरे को देखते हुए बम निरोधक दस्ते ने मौके पर ही इन विस्फोटकों को नष्ट कर दिया।

अमेरिका से भागने की कोशिश की दौरान गिरफ्तारी : शुरुआत में जशनप्रीत सिंह पर सैन जोएक्विन काउंटी में राज्य स्तर पर केस दर्ज किया गया था। लेकिन जुलाई 2025 में वह अदालत में पेश नहीं हुआ, जिसके बाद उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया। इसी दौरान एफबीआई को जानकारी मिली कि उसने भारत जाने के लिए टिकट बुक कर ली है और वह सैन फ्रांसिस्को एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाला है। 26 जुलाई 2025 को अमेरिकी अधिकारियों ने उसे सैन फ्रांसिस्को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार कर लिया, इससे पहले कि वह भारत भाग पाता। फिलहाल वह अमेरिकी संघीय हिरासत में है।

होर्मुज पर अमेरिका के साथ चीन, परमाणु हथियार को लेकर भी सख्त

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में हुई ऐतिहासिक शिखर बैठक में दोनों नेताओं ने वैश्विक स्थिरता और द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने का संकल्प लिया। इस मुलाकात में ताइवान, हॉर्मुज स्ट्रेट, ईरान का परमाणु कार्यक्रम और आर्थिक साझेदारी जैसे अहम मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। साल 2017 के बाद चीन में दोनों नेताओं की यह पहली आमने-सामने की बैठक थी। बैठक ऐसे समय में हुई जब विश्व युद्ध की आशंकाओं, ऊर्जा संकट और आर्थिक अनिश्चितता से जूझ रहा है। जिनपिंग ने ट्रंप का औपचारिक स्वागत करते हुए ताइवान मुद्दे पर सख्त चेतावनी दी। उन्होंने इसे चीन-अमेरिका संबंधों का सबसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण मुद्दा बताया। जिनपिंग ने चेतावनी देते हुए कहा कि ताइवान पर कोई भी गलत कदम दोनों देशों के बीच टकराव और युद्ध की स्थिति पैदा कर सकता है। उन्होंने पूछा कि क्या चीन और अमेरिका थ्यूसीडाइड्स ट्रैप से बच सकते हैं? और इसके बजाय बड़े देशों के बीच सहयोग का नया मॉडल बनाने का सुझाव दिया। दोनों नेताओं ने सहमति जताई कि विश्व के तेल व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण हॉर्मुज स्ट्रेट हमेशा खुला और सुरक्षित रहना चाहिए। जिनपिंग ने स्पष्ट किया कि चीन इस मार्ग पर किसी भी प्रकार की सैन्य तैनाती या टोल वसूली का विरोध करता है। दोनों पक्ष इस बात पर भी एकमत हुए कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर पाए। वहीं, ट्रंप ने बैठक को 'बेहद सकारात्मक और सफल' बताया। उन्होंने जिनपिंग को अपना दोस्त और महान नेता करार दिया। वाइट हाउस के अनुसार, दोनों नेताओं ने रिश्तों को और मजबूत बनाने, व्यापार सहयोग बढ़ाने, अमेरिकी कंपनियों के लिए चीनी बाजार खोलने और चीन से अमेरिकी कृषि उत्पादों की खरीद बढ़ाने पर जोर दिया। जिनपिंग ने कहा कि चीन और अमेरिका को प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि भागीदार बनना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देशों को मिलकर काम करना चाहिए ताकि 2026 दोनों देशों के संबंधों में नया अध्याय साबित हो। दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि मतभेदों को बातचीत के जरिए सुलझाया जाए और रिश्तों को कभी बिगड़ने नहीं दिया जाए। बता दें कि इस बैठक में एलन मस्क, टिम कुक समेत अमेरिका के कई प्रमुख उद्योगपतियों ने भी हिस्सा लिया।

पाकिस्तान की वो खूबसूरत हसीना जो बनी 'कोकीन क्वीन', कराची की लेडी डॉन पिंकी कौन?

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में अपराध की दुनिया से जुड़े कई नाम समय-समय पर सामने आते रहे हैं। इस बीच 'लेडी डॉन' पिंकी का नाम इन दिनों सबसे अधिक चर्चा में है। पाकिस्तान की कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने हाई-प्रोफाइल ड्रग तस्कर अनमोल उर्फ पिंकी को गिरफ्तार किया है। कराची पुलिस और संघीय जांच एजेंसियों के संयुक्त अभियान में इस महिला को गिरफ्तार किया गया, जिस पर देश के प्रमुख शहरों में कोकीन का विशाल सप्लाई नेटवर्क चलाने का आरोप हैं।

पुलिस के अनुसार, पिंकी विशेष रूप से कुलीन वर्ग और निजी पार्टियों को नशीले पदार्थों की आपूर्ति करती थी। पुलिस ने आधिकारिक बयान में बताया कि पिंकी पूरे कराची में कोकीन और अन्य घातक ड्रग्स की सप्लाई में सक्रिय थी। छापेमारी के दौरान उसके ठिकाने से एक पिस्तौल, लाखों रुपये की कोकीन, रसायन और अन्य नशीले पदार्थ बरामद किए गए। पुलिस का दावा है कि वह देश की सबसे वांछित ड्रग सप्लायर्स में शामिल थी और लंबे समय से पुलिस की पकड़ से बचती रही थी।

किशोरावस्था से शुरू हुआ अपराध की दुनिया में सफर : पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिंकी का जन्म 1995 में कराची के बलूच पारा इलाके में हुआ था। मात्र 14 साल की उम्र में वह घर छोड़कर चली गई थी। शुरू में मॉडलिंग का सपना देखने वाली पिंकी बाद में डांस पार्टियों और हाई-सोसायटी के जरिए प्रभावशाली लोगों से जुड़ी। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि उसने एक अंतरराष्ट्रीय वकील से शादी की, जिसके कथित रूप से वैश्विक कोकीन कारोबार से संबंध थे। बाद में उसने एक पुलिस अधिकारी से भी शादी की। अपने भाइयों नासिर और शौकत की मदद से पिंकी ने ड्रग कारोबार का विस्तार किया। उसने ऑनलाइन रिसर्च कर घरेलू स्तर पर उच्च गुणवत्ता वाली कोकीन तैयार करना शुरू कर दिया।

अमीरों तक पहुंचा नेटवर्क : जांचकर्ताओं के अनुसार, पिंकी का नेटवर्क कराची, लाहौर और इस्लामाबाद तक फैला हुआ था। यह मुख्य रूप से ष्ठ्र और क्लिफ्टन जैसे महंगे इलाकों को लक्षित करता था। उसने अपना प्रोडक्ट आकर्षक नाम देकर बेचा 'क्वीन मैडम पिंकी- नाम ही काफी है, आनंद लें'। महिला कूरियर, ट्रेन, बाइक और व्हाट्सएप के जरिए डिलीवरी का जाल बिछाया गया था। बताया जा रहा है कि दो किस्म की कोकीन बेची जाती थी। पहला 'व्हाइट कोक' 8850 रुपये प्रति ग्राम और दूसरा 'गोल्डन कैटेगरी' 13728 रुपये प्रति ग्राम। पूछताछ में पिंकी ने दावा किया कि पाकिस्तान में उससे बेहतर कोकीन कोई नहीं बनाता है। इस गिरफ्तारी ने ड्रग माफिया, पुलिस भ्रष्टाचार और प्रभावशाली लोगों के संरक्षण के मुद्दों को फिर से उठा दिया है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, पिंकी को करीब पांच साल पहले पंजाब में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन 2.4 करोड़ रुपये की रिश्वत देकर वह छूट गई थी। उस पर फिंगरप्रिंट मिटाने के लिए तेजाब इस्तेमाल करने का भी आरोप है। वहीं, गिरफ्तारी के बाद पिंकी की अदालत पेशी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। फुटेज में उसे बिना हथकड़ी के, सनग्लासेस लगाए और पानी की बोतल लेकर चलते दिखाया गया, जबकि जांच अधिकारी उसके पीछे-पीछे चल रहा था। इसे VIP ट्रीटमेंट बताते हुए सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं आई हैं। वीडियो वायरल होने के बाद कराची के एडिशनल द्धत्त आजाद खान ने इस मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। सिंध के गृह मंत्री जियाउल हसन लांजर ने कहा कि आरोपी को प्रोटोकॉल कैसे दिया गया? सभी जिम्मेदार अधिकारियों को स्पष्टीकरण देना होगा। लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी कंगना की भारत भाग्य विधाता

कंगना रनौत बीते कुछ दिनों से फिल्मों से ज्यादा राजनीति में सक्रिय हैं। लेकिन अब उनके फैंस का इंतजार खत्म हो गया है, क्योंकि उनकी आने वाली फिल्म की अनाउंसमेंट हो गई है। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है।

कंगना रनौत की आने वाली फिल्म का नाम 'भारत भाग्य विधाता' है। मेकर्स ने इसका पोस्टर जारी कर रिलीज डेट का खुलासा किया है। पोस्टर शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा– 'एक साधारण लोगों की असाधारण कहानी! वो रात, जब इंसानियत डर से भी बड़ी बनकर सामने आई। जब जिम्मेदारी ने बलिदान का रूप लिया, जब एकता ने कर्तव्य निभाया और जब हिम्मत ने कई जिंदगियां बचाईं। भारत के असली हीरोज की अनकही कहानी।' बता दें कि फिल्म में भारत के उन हीरोज की कहानी बताएगी, जो अनसुनी है।

बता दें कि फिल्म में कंगना रनौत लीड रोल में नजर आएंगी। इसे मणिकर्णिका फिल्म्स के बैनर तले बनाया गया है। इसके लेखक और निर्देशक मनोज तापड़िया हैं। 'भारत भाग्य विधाता' फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फैंस कंगना की वापस फिल्मों में वापसी को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। बता दें कि बॉक्स ऑफिस पर इसका मुकाबला इम्तियाज अली की आगामी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' से होगा। इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित 'मैं वापस आऊंगा' एक लव स्टोरी है। 'मैं वापस आऊंगा' भी 12 जून को रिलीज होगी, जिसमें दिलजीत दोसांझ, शरवरी वाघ और वेदांग रैना प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

पूजा बत्रा का खुलासा

लंबे कद की वजह से छिनी कई फिल्में

1997 में आई फिल्म 'विरासत' से अपना बॉलीवुड डेब्यू करने वाली अभिनेत्री पूजा बत्रा ने मॉडलिंग से अपनी शुरुआत की थी। पूजा बत्रा कई हिंदी फिल्मों का हिस्सा रहीं। हालांकि, सफल डेब्यू के बावजूद उनका करियर ज्यादा लंबा नहीं रह सका। हाल ही में पूजा बत्रा ने बताया कि उनकी लंबी हाइट के चलते भी उन्हें कई फिल्मों से हाथ धोना पड़ा। क्योंकि अधिकांश एक्टर्स की हाइट उनसे कम थी, लेकिन उनमें ईगो इतना था कि वो हीरोइन को खुद से लंबा नहीं दिखने देना चाहते थे। इसलिए वो हीरोइनों को खुद से छोटा दिखाना चाहते थे।

मेरी हाइट की वजह से हीरो घबरा जाते थे

पूजा बत्रा ने अपने शुरुआती दौर में संगीता बिजलानी की एक सलाह को याद किया। उन्होंने कहा कि मुझे याद है संगीता बिजलानी ने मुझसे कहा था, 'फिल्मों में तुम्हारा कोई चांस नहीं है क्योंकि तुम बहुत लंबी हो'। संगीता की इस चेतावनी से मुझे निराशा हुई थी। लेकिन वह मेरी आदर्श हैं। वह खूबसूरत हैं और एक मॉडल भी हैं। मुझे जो भी रोल मिला, मैंने उसमें अपना बेस्ट दिया। भले ही मेरे कद की वजह से हीरो घबरा जाते थे। यह सच है कि मेरी लंबाई की वजह से मुझे बहुत सी फिल्में नहीं मिलीं। मैंने कई अच्छे रोल खो दिए। पूजा ने दावा किया कि उनके और संगीता जैसी लंबी अभिनेत्रियों ने सुष्मिता और दीपिका जैसी लंबी अभिनेत्रियों के लिए रास्ता बनाया। इन्हें मुझे धन्यवाद कहना चाहिए।

सिनेमा में आए बदलाव से खुश हैं पूजा बत्रा

हिंदी सिनेमा में आए बदलाव पर एक्ट्रेस ने कहा कि काफी बदलाव हुआ है। न केवल सोच में बदलाव के कारण, बल्कि सिनेमास्कोप में आए तकनीकी बदलावों के कारण भी काफी कुछ सुधार हुआ है। छोटे कद के लोगों को नुकसान होता है, क्योंकि वे कैमरे पर अपनी असल लंबाई से ज्यादा मोटे दिख सकते हैं। दुनिया के ज्यादातर मशहूर अभिनेता बहुत लंबे नहीं हैं। छोटे कपड़े पहनने और अपने फैशन सेंस को पर्दे पर उतारने के लिए पूजा हमेशा फिल्मों में अपने खुद के कपड़े पहनती थीं। उन्हें याद है कि जब वह अपने निजी कपड़ों में सेट पर आती थीं, तो निर्देशक उनसे कहते थे, उसे वही पहनने दो जो उसने पहना है। लेकिन वे उनसे मेकअप हटाने के लिए भी कहते थे क्योंकि उन्हें नैचुरल लुक चाहिए होता था। उन्होंने हंसते हुए कहा, 'मैं सोचती थी, कम से कम सनब्लॉक तो लगाने दो।'

मिस इंडिया इंटरनेशनल बनने के बाद फिल्मों में की थी एंट्री

पूजा बत्रा ने 1993 में मिस इंडिया इंटरनेशनल का खिताब जीतने के बाद मॉडलिंग और फिर फिल्मों में एंट्री की थी। उन्होंने साउथ की भी कुछ फिल्मों में काम किया। 2003 में उन्होंने एक ऑर्थोपेडिक सर्जन से शादी की और लॉस एंजिल्स कैलिफोर्निया में बस गईं। लेकिन 2011 में तलाक के बाद वह भारत लौट आईं। इसके बाद उन्होंने 'हम तुम शबाना' (2011), 'एबीसीडी 2' (2015) और अन्य हॉलीवुड फिल्मों से वापसी की। उन्होंने 2019 में अभिनेता नवाब शाह से दोबारा शादी की।

कान फिल्म फेस्टिवल में अपने डेब्यू को कल्याणी प्रियदर्शन ने बताया सुखद अनुभव

'लोका चैप्टर वनः चंद्रा' की सफलता से सुर्खियां बटोरने वाली अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन अब इंटरनेशनल लेवल पर अपना डेब्यू करने जा रही हैं। यह कल्याणी के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में से एक में अपने डेब्यू पर अब कल्याणी ने खुशी जताई है।

कान फिल्म फेस्टिवल में अपने डेब्यू को लेकर कल्याणी ने कहा कि कान फिल्म फेस्टिवल हमेशा से सिनेमा का एक प्रतिष्ठित उत्सव रहा है, इसलिए इस साल वहां होना बहुत खास लग रहा है। 'लोका चैप्टर वनः चंद्रा' को मिले प्यार के लिए मैं आभारी हूं। मुझे लगता है कि भारतीय सिनेमा को इस समय ग्लोबली एक शानदार तरीके से पहचान मिल रही है। ऐसे में लोका के जरिए इंटरनेशनल लेवल पर पहचान बनाना और अब कान फिल्म फेस्टिवल जैसे मंच का अनुभव करना काफी अच्छा लग रहा है और एक सुखद अनुभव है।

कान फिल्म महोत्सव के लिए अपनी तैयारियों के बारे में बात करते हुए कल्याणी ने कहा कि मैं बस पूरे अनुभव का आनंद लेना चाहती हूं और खुद पर ज्यादा दबाव डाले बिना आसानी से आगे बढ़ना चाहती हूं। 79वें कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 का आयोजन 23 मई तक किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित वार्षिक समारोह हर साल की तरह फ्रांस के फ्रेंच रिवेरा के कान शहर के 'पैलेस डेस फेस्टिवल्स' में किया जाएगा। कान फिल्म फेस्टिवल में हर साल कई भारतीय सेलेब्स अपनी मौजूदगी दर्ज कराते हैं। अब इसी लिस्ट में कल्याणी प्रियदर्शन का भी नाम शामिल होने जा रहा है।

'फोर्स 3' के लिए हर्षवर्धन कर रहे कड़ी मेहनत

अभिनेता हर्षवर्धन राणे फिल्म 'फोर्स 3' के एक्शन सींस के लिए किसी सुनसान इलाके में कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं। उन्होंने अपने सह-कलाकारों जॉन अब्राहम और तान्या मानिकतला के साथ वर्कआउट वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में 42 साल के हर्षवर्धन ट्राइसेप्स के लिए बैंड एक्सरसाइज करते दिख रहे हैं, फिर भारी वजन उठाकर अपनी पीठ, कंधों और बाइसेप्स की ट्रेनिंग करते दिख रहे हैं। आखिर में शोल्डर श्रग्स से अपना वर्कआउट पूरा किया। हर्षवर्धन ने बताया कि मुंबई जाने में रोजाना दोनों तरफ से 5 घंटे से ज्यादा समय लग जाता है। इसलिए उन्होंने अपने ट्रेनर से अनुरोध किया कि वे शूटिंग लोकेशन पर ही उन्हें ट्रेनिंग दें।

भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हूं

अभिनेत्री अनन्या पांडे इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'चांद मेरा दिल' को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। अनन्या ने हाल ही में अपने करियर और भविष्य की योजनाओं को लेकर खुलकर बात की। अभिनेत्री ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट की। इसमें उन्होंने बताया कि वह अपने करियर को किस दिशा में लेना जाना चाहती हैं। अनन्या कहती हैं, 'मुझे लगता है कि मैंने अभी तो बस शुरुआत की है, लेकिन ऐसी बहुत सी फिल्में और बेहतरीन कलाकार हैं, जिनके साथ काम करना मेरा सपना है।' अभिनेत्री ने बताया कि उनके पास योजनाओं की एक लंबी लिस्ट है और वह इंडस्ट्री में बहुत कुछ हासिल करना चाहती हैं। उन्होंने अपनी बातें शेयर करते हुए कहा कि वह अब एक कदम और आगे बढ़ाना चाहती हैं। अभिनेत्री का उद्देश्य अब एक ऐसी फिल्में बनाना है, जो लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में बसी रहें।

उन्होंने कहा, 'मैं कुछ ऐसा प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना चाहती हूं, जिसे हमेशा याद रखा जाए और जो मेरे बाद भी दुनिया में बना रहे।' अनन्या ने माना कि उम्र और अनुभव के साथ फिल्मों के प्रति उनका लगाव और गहरा होता जा रहा है।

उन्होंने बताया, 'फिल्मों को अब मैं लंबे समय तक चलने के नजरिए से देख रही हूं, क्योंकि मुझे अब समझ आ रहा है कि फिल्में कितनी प्रभावशाली होती हैं और वे हमेशा के लिए अमर हो जाती हैं। मैं आज के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हूं।' अभिनेत्री लक्ष्य लालवानी के साथ जल्द ही फिल्म 'चांद मेरा दिल' में नजर आएंगी। यह एक कॉलेज रोमांस से शुरू होकर एक इंटेंस और ट्रैजिक लव स्टोरी में बदलती है, जो युवाओं के जुनून भरे प्यार को दर्शाती है। विवेक सोनी द्वारा निर्देशित फिल्म 'चांद मेरा दिल' का निर्माण करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया है।

छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रति श्रद्धा और रितेश के साथ पर्सनल बॉन्डिंग के चलते फीस माफ की

रितेश देशमुख की फिल्म 'राजा शिवाजी' सिनेमाघरों में लगी है। फिल्म को काफी तारीफें मिली हैं। बॉक्स ऑफिस पर भी यह अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस बीच ऐसी खबर आई कि फिल्म के लिए कुछ सितारों ने बिल्कुल फीस नहीं ली। इनमें अभिषेक बच्चन भी शामिल हैं, जिन्होंने फीस के तौर पर सिर्फ रितेश देशमुख की मां के हाथ के ठेंचा (एक किस्म की चटनी) की डिमांड की थी। अभिषेक बच्चन यह फिल्म बिना फीस के करने को राजी क्यों हुए?

क्यों माफ की अभिषेक बच्चन ने फीस

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया गया था कि अभिषेक बच्चन ने कथित तौर पर फिल्म 'राजा शिवाजी' के लिए फीस चार्ज की थी। हाल ही में अभिषेक बच्चन ने ऐसी अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ये दावे झूठे हैं। अभिनेता ने ऐसे वक्त में अपनी फीस को लेकर प्रतिक्रिया दी है, जब हाल ही में रितेश देशमुख ने कहा था कि फिल्म में गेस्ट अपीयरेंस देने वाले कई सितारों ने फीस नहीं ली। इनमें सलमान खान, विद्या बालन और अभिषेक शामिल हैं। सभी ने छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रति अपनी श्रद्धा और रितेश के साथ अपनी पर्सनल बॉन्डिंग के चलते फीस माफ कर दी थी।

कला का रूप दिल से शुरू होता है

अभिषेक बच्चन ने भी अपनी फीस को लेकर बातचीत में कहा कि एक्टर्स किसी ऐसे विजन के लिए अपनी फीस कम करने या छोड़ने को तैयार रहते हैं, जिस पर उन्हें भरोसा हो। उन्होंने कहा, 'आज के जमाने में ऐसी बहुत सारी रील्स हैं, जिनमें लोग तथ्यों और आंकड़ों के बारे में बात करते हैं। एक्टर ने कहा, 'लोगों को यह बात करना पसंद है कि कोई एक्टर या एक्ट्रेस कितनी ज्यादा फीस ले रहा है और कितनी वैन की मांग कर रहा है, लेकिन असल में यह एक कला का रूप है जो दिल से शुरू होता है। अगर हमें किसी चीज पर भरोसा है, तो हमें अपनी फीस छोड़ने में कोई दिक्कत नहीं होती। यह कोई लेन-देन नहीं है। यह एक इमोशनल ट्रांजैक्शन है।

अभिषेक बच्चन ने की सिर्फ ठेचा की डिमांड

बता दें कि हाल ही में खुद रितेश देशमुख ने इसका खुलासा किया कि सलमान खान, अभिषेक बच्चन और विद्या बालन जैसे बड़े सितारों ने इस ऐतिहासिक फिल्म के लिए कोई फीस नहीं ली है। अभिषेक बच्चन ने तो फीस की जगह सिर्फ रितेश की मां के हाथ का बना हुआ ठेचा मांगा। रितेश ने कहा, 'जब मैंने अभिषेक बच्चन को कहानी सुनाई और बताया कि मैं इस फिल्म का निर्देशन कर रहा हूं। यह छत्रपति शिवाजी महाराज पर है तो उन्होंने कहा– 'मुझे पैसे नहीं चाहिए, मुझे बस तुम्हारी मां के हाथ का बना ठेचा चाहिए'।

राहुल द्रविड़ ने कोच गंभीर की सोच से जताई असहमति!

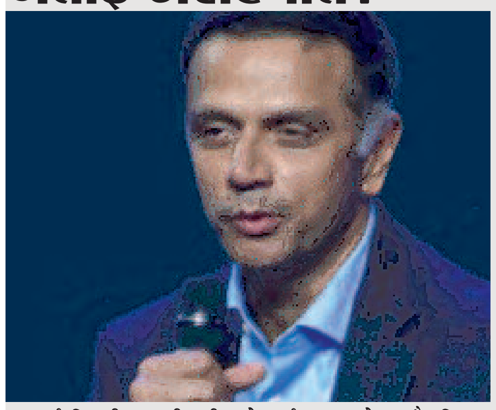

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच और दिग्गज बल्लेबाज राहुल द्रविड़ ने भारतीय क्रिकेट में सुपरस्टार संस्कृति को खत्म करने की बात पर अपनी अलग राय रखी है। मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर लगातार इस बात की वकालत करते रहे हैं कि टीम खेल में व्यक्तिगत उपलब्धियों से ज्यादा टीम की सफलता को महत्व दिया जाना चाहिए। हालांकि, द्रविड़ ने गंभीर की सोच को पूरी तरह गलत नहीं बताया, लेकिन उन्होंने साफ कहा कि हर खेल को अपने हीरो और सुपरस्टार की जरूरत होती है। उनका मानना है कि कोई भी खिलाड़ी बिना शानदार प्रदर्शन के सुपरस्टार नहीं बन सकता।

'प्रदर्शन से ही बनते हैं सुपरस्टार'

द्रविड़ ने 'स्कूप' पॉडकास्ट पर विजडन से कहा कि भारत जैसे देश में किसी खिलाड़ी को स्टार का दर्जा तभी मिलता है, जब वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर टीम की जीत में योगदान देता है। उन्होंने कहा, 'हर खेल को अपने हीरो चाहिए। कोई भी खिलाड़ी बिना प्रदर्शन के लोगों के दिलों में जगह नहीं बना सकता। भारत में आपको जितनी तारीफ मिलती है, उतनी ही आलोचना भी झेलनी पड़ती है। यहां लगातार खिलाड़ियों पर नजर रहती है। इसलिए अगर कोई खिलाड़ी सुपरस्टार बनता है, तो इसका मतलब है कि उसने लंबे समय तक शानदार प्रदर्शन किया है और टीम को जीत दिलाई है।' द्रविड़ उस दौर का हिस्सा रहे हैं, जब भारतीय क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली, वीवीएस लक्ष्मण और वीरेंद्र सहवाग जैसे बड़े सितारे थे। इन खिलाड़ियों ने भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

रोहित, विराट और अश्विन की कमी महसूस होगी

द्रविड़ ने हाल के समय में भारतीय टेस्ट टीम के प्रदर्शन पर भी अपनी राय दी। उन्होंने माना कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की जगह भरना आसान नहीं है। उन्होंने कहा, 'रेड–बॉल क्रिकेट में अच्छा करने का जुनून टीम में मौजूद है। हाल के कुछ सीरीज में भारतीय टीम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई, लेकिन ऐसा कभी–कभी होता है। कुछ बड़े खिलाड़ी हाल ही में रिटायर हुए हैं और उनकी कमी जरूर महसूस होगी। हालांकि भारतीय क्रिकेट अब भी मजबूत है और मुझे भरोसा है कि टीम हर फॉर्मेट में प्रतिस्पर्धी बनी रहेगी।'

क्या भारत आएंगे पीसीबी चीफ मोहसिन नकवी?

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन और पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी अब भारत दौरे पर नहीं आएंगे। वह अहमदाबाद में होने वाली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की अहम बैठक में वर्चुअल माध्यम से शामिल होंगे। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि उन्हें भारत आने का न्योता भेजा गया है और उनके दौरे की संभावना जताई जा रही थी।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल होंगे नकवी

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, आईसीसी बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक 31 मई को अहमदाबाद में आयोजित होगी, लेकिन मोहसिन नकवी इसमें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हिस्सा लेंगे। बताया जा रहा है कि आईसीसी सदस्य देशों के प्रतिनिधियों के लिए वर्चुअल शामिल होने की सुविधा पहले से मौजूद है। सूत्रों के अनुसार, नकवी के भारत आने की संभावना पहले से ही कम मानी जा रही थी। वह उन तीन सदस्यों में शामिल हैं जो बैठक में ऑनलाइन शामिल होंगे।

नकवी को भेजा गया था आईपीएल फाइनल का निमंत्रण?

आईसीसी की चीफ एग्जीक्यूटिव्स कमेटी (सीईसी) की बैठक 21 मई को वर्चुअल माध्यम से होगी। इसके बाद 30 और 31 मई को अहमदाबाद में आईसीसी बोर्ड की इन–पर्सन बैठक प्रस्तावित है। इन बैठकों में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के भविष्य के ढांचे समेत क्रिकेट से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। इसी दौरान 31 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आईपीएल 2026 का फाइनल मुकाबला भी खेला जाएगा।

आईसीसी बैठक और आईपीएल फाइनल के चलते दुनिया भर के क्रिकेट प्रशासकों की मौजूदगी अहम मानी जा रही है। इससे पहले खबरें थीं कि मोहसिन नकवी को आईपीएल 2026 फाइनल के लिए भी निमंत्रण भेजा गया है और उन्होंने इस प्रस्ताव को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को भेज दिया है। हालांकि, अब साफ हो गया है कि वह भारत यात्रा नहीं करेंगे। वहीं, पीटीआई के मुताबिक, नकवी को आईपीएल फाइनल के लिए न्योता नहीं दिया गया है।

पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने जड़ा महिला टी-20 का सबसे तेज अर्धशतक

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान महिला टीम के कप्तान फातिमा सना ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में इतिहास रच दिया है. उन्होंने 15 गेंद में फिफ्टी जड़ कर महिला टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज अर्धशतक बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. सना ने ये उपलब्धि कराची में जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे टी-20 मैच के दौरान हासिल की। इसके साथ 24 साल की सना ने न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन, ऑस्ट्रेलिया की फीबी लिचफील्ड और भारत की ऋचा घोष के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जिन्होंने 18-18 गेंदों में अपनी फिफ्टी बनाई थी.

पाकिस्तान ने 133 रनों जीता मैच – मैच की बात करें तो पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया. फातिमा सना सिर्फ 19 गेंदों में 62 रन बनाकर नाबाद रहीं. अपनी इस पारी में उन्होंने 10 चौके और दो छक्के लगाए. इसकी बदौलत पाकिस्तान का स्कोर 4 विकेट पर 223 रन तक पहुंच गया. यह महिला टी-20 में पाकिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है. इससे पहले इसी सीरीज में पाकिस्तान ने 237 रन बनाए थे. जवाब में वेस्टइंडीज की पूरी टीम 17.1 ओवर में ही 90 रनों पर ढेर हो गई. जिसके साथ पाकिस्तान ने मैच को 133 रनों से अपने नाम कर लिया.

महिला टी-20 में सबसे तेज फिफ्टी

- फातिमा सना (पाकिस्तान) - 15 गेंदें बनाम जिम्बाब्वे (15 मई, 2026)
- सोफी डिवाइन (न्यूजीलैंड) - 18 गेंदें बनाम भारत (11 जुलाई, 2015)
- फीबी लिचफील्ड (ऑस्ट्रेलिया) - 18 गेंदें बनाम वेस्टइंडीज, (2 अक्टूबर, 2023)
- ऋचा घोष (भारत) - 18 गेंदें बनाम वेस्टइंडीज (19 दिसंबर, 2024)
- निदा डार (पाकिस्तान) - 20 गेंदें बनाम दक्षिण अफ्रीका (22 मई, 2019)

टी-20 में पाकिस्तान की तरफ से सबसे तेज फिफ्टी

सना की जबरदस्त पारी से पहले, टी-20 में किसी पाकिस्तानी खिलाड़ी द्वारा सबसे तेज फिफ्टी बनाने का रिकॉर्ड निदा डार के नाम था, जिन्होंने 2019 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 20 गेंदों में यह कारनामा किया था। इसके अलावा सना ने महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेज फिफ्टी के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली. उन्होंने 2022 में वारविकशायर के लिए मैरी केली और इसी साल न्यूजीलैंड के सुपर स्मैश टूर्नामेंट में ओटागो के लिए लॉरा हैरिस की उपलब्धि की बराबरी की।

फातिमा सना का 2026 में प्रदर्शन

2026 सना की फॉर्म अविश्वसनीय रही है. वह इस साल महिलाओं के टी–20 में पाकिस्तान की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं. उन्होंने पांच पारियों में 229 रन बनाए हैं, जिनका स्ट्राइक रेट 206.30 का है. उन्होंने इसी साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 41 गेंदों में 90 रन बनाकर टी–20 में अपना अब तक का सबसे बड़ा स्कोर भी बनाया था।

अंशुल कंबोज के दो ओवर में मिशेल ने लगातार 4 छक्के!

आईपीएल के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

लखनऊ (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में सीएसके- एलएसजी मैच अंशुल कंबोज के लिए एक बुरे सपने जैसा साबित हुआ. इस सीजन अपनी शानदार गेंदबाजी से छाप छोड़ने वाले सीएसके के इस युवा गेंदबाज ने एलएसजी के खिलाफ एक ऐसा अनचाहा रिकॉर्ड बना दिया, जो आईपीएल के इतिहास में पहले कभी नहीं देखा गया था. लखनऊ के इकाना स्टेडियम में अंशुल आईपीएल के इतिहास में पहले ऐसे गेंदबाज बन गए, जिनके एक ही मैच के दो अलग-अलग ओवरों में लगातार चार-चार छक्के लगे। एलएसजी के विस्फोटक बल्लेबाज मिशेल मार्श ने अंशुल की गेंदबाजी पर पूरी ताकत से हमला बोला. मैच के पांचवें ओवर में मार्श ने अंशुल की पहली चार गेंदों पर लगातार चार छक्के जड़े. इसके बाद, निकोलस पूरन ने 17वें ओवर में भी अंशुल की पहली चार गेंदों पर चार छक्के जड़ दिए. इसके साथ अंशुल कंबोज आईपीएल के इतिहास में दो ओवर में लगातार चार-चार छक्के खाने वाले पहले गेंदबाज बन गए। इसके अलावा एक ही पारी में अपनी 10 गेंदों पर 8 छक्के खाने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए. इससे पहले, यह शर्मनाक रिकॉर्ड यश दयाल के नाम था. यश दयाल के खिलाफ आईपीएल 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज ने 8 छक्के जड़े थे। ये भी उल्लेखनीय है कि अंशुल कंबोज आईपीएल 2026 में ष्ट्स्य के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं. उन्होंने अब तक 12 मैचों में 19 विकेट लिए हैं और पर्पल कैप की दौड़ में तीसरे स्थान पर हैं।

एलएसजी बल्लेबाज कार्तिक शर्मा के 71 रनों की पारी से चेन्नई हारा – मैच की बात करें तो सीएसके ने कार्तिक शर्मा के 71 रनों की बदौलत इकाना क्रिकेट स्टेडियम में 187/5 का स्कोर खड़ा किया. जवाब में लखनऊ ने मार्श के 90 रनों की बदौलत 16.4 ओवर में 3 विकेट खोकर ही लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया।

- **कंबोज ने 60 से ज्यादा रन लुटाए** – अंशुल ने इस मैच में कुल 2.4 ओवर गेंदबाजी की और 63 रन लुटा दिए. उन्होंने कुल 16 गेंदें फेंकी, जिनमें से 11 गेंदों पर चौके या छक्के लगे. आखिरी 10 गेंदों में अंशुल ने 8 छक्के और 1 चौका दिया, जबकि एक गेंद पर कोई रन नहीं बना. इस तरह, उन्होंने सिर्फ 10 गेंदों में 52 रन लुटा दिए।
- **सीएसके के दूसरे सबसे महंगे गेंदबाज** – इस खराब प्रदर्शन के साथ अंशुल कंबोज चेन्नई सुपर किंग्स के दूसरे सबसे महंगे गेंदबाज भी बन गए. इससे पहले, खलील अहमद ने 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ 3 ओवर में 65 रन दिए थे. जबकि लुंगी एनगिडी 2021 में 4 ओवर में 62 रन खर्च किए थे. जिससे वो सीएसके के तीसरे सबसे महंगे गेंदबाज हैं।

● आईपीएल 2026 के बीच

हार्दिक पांड्या 22 मई को महिका शर्मा के साथ ले सकते हैं सात फेरे

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या क्रिकेट के साथ- साथ अपनी प्राइवेट लाइफ को लेकर भी अक्सर चर्चा में रहते हैं। उन्हें लेकर सोशल मीडिया पर एक बार फिर कुछ रिपोर्ट्स सामने आई हैं। इनमें ऐस दावा किया जा रहा है कि पांड्या आईपीएल 2026 के सीजन के बीच ही एक बार फिर शादी के बंधन में बंध सकते हैं। हालांकि दोनों को कई बार कई जगहों पर साथ- साथ भी देखा गया है। रिपोर्ट्स में किए जा रहे दावों के अनुसार दोनों 22 मई को एक बेहद निजी तरीके से शादी कर सकते हैं। फिलहाल इसे लेकर कोई भी ऑफिशियल बयान सामने नहीं आया है।

पहला विवाह और तलाक

जानकारी के लिए बता दें कि हार्दिक पांड्या पहले भी अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रह चुके हैं। उन्होंने साल 2020 में लॉकडाउन के दौरान 31 मई को मॉडल नताशा स्टेनकोविक से शादी की थी। दोनों का यह रिश्ता लंबा नहीं चल सका और शादी के करीब 4 साल बाद, जुलाई 2024 में दोनों ने आधिकारिक तौर पर अलग होने (तलाक) का फैसला कर लिया। पहली शादी से हार्दिक का एक बेटा है, जिसका नाम अगस्त्य पांड्या है। भले ही हार्दिक और नताशा का रिश्ता खत्म हो चुका है, लेकिन माता-पिता के तौर पर दोनों मिलकर अपने बेटे की परवरिश (को-पेरेंटिंग) कर रहे हैं। नताशा से अलग होने के बाद हार्दिक का नाम कुछ अन्य महिलाओं के साथ भी जोड़ा गया, लेकिन अब महिका शर्मा के साथ उनकी शादी की खबरें सबसे ज्यादा चर्चा में हैं।

दिन में ट्रेनिंग रात में पढ़ाई करके देश के लिए मेडल जीतना चाहते हैं रुद्राक्ष खन्ना

जम्मू (जम्मू कश्मीर) (एजेंसी)। देश की सबसे खूबसूरत वादी जम्मू कश्मीर से एक युवा जिमनास्ट रुद्राक्ष खन्ना का उदय हो रहा है, जिसने हाल ही में एरोबिक जिमनास्टिक्स में देश के लिए अपना पहला इंटरनेशनल मेडल जीता और अब वो एशियन चैंपियन बनने के लिए कड़ी ट्रेनिंग कर रहा हैं। खन्ना ने 2 और 3 मई के बीच

थाईलैंड के बैंकॉक में हुई पहली जेआरसी एरोबिक जिमनास्टिक्स स्टार्स चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल हासिल किया. उन्होंने एक इंडिविजुअल इवेंट में चीन, कजाकिस्तान और तीन अन्य देशों के जिमनास्टों को हराया, जबकि गोल्ड मेडल मेजबान देश थाईलैंड के नाम रहा. थाईलैंड में आयोजित जेआरसी एरोबिक चैंपियनशिप में, वह भारत से एकमात्र जिम्नास्ट थे और उन्होंने देश का नाम रोशन किया।

देश के लिए मेडल जीतना गर्व का पल – ईटीवी भारत के रिपोर्टर आमिर तांत्रे के साथ एक इंटरव्यू में खन्ना ने कहा कि एरोबिक जिमनास्टिक्स में देश के लिए मेडल जीतना उनके लिए गर्व का पल है. उन्होंने कहा, 'यह उपलब्धि मेरे कोचों, सुरिंदर पाल सिंह और कृपाली सिंह के सपोर्ट के बिना मुमकिन नहीं थी, जिन्होंने हमेशा मुझ पर भरोसा किया और हर तरह का सपोर्ट दिया. यह निश्चित रूप से गर्व का पल है, लेकिन बात यहीं नहीं रुकेगी, क्योंकि मैं आने वाली एशियन चैंपियनशिप में देश के लिए गोल्ड मेडल जीतना चाहता हूं।'

- **दो बार एशियन गेम्स में ले चुके हैं भाग** – पांच फीट सात इंच लंबे खन्ना देश में एरोबिक्स और जिमनास्टिक्स के एक युवा एथलीट बनकर उभर रहे हैं. उन्होंने दो बार एशियन गेम्स और इंटरनेशनल जिमनास्टिक्स फेडरेशन द्वारा आयोजित सुजुकी वर्ल्ड जिमनास्टिक्स चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया है, लेकिन देश के लिए मेडल जीतने से चूक गए. पिछली सुजुकी वर्ल्ड चैंपियनशिप में, वह चौथे स्थान पर रहे और बहुत थोड़े अंतर से मेडल से चूक गए।
- **'शेर–ए–कश्मीर' पुरस्कार से भी सम्मानित** – ये भी उल्लेखनीय है कि जिमनास्टिक्स में उपलब्धियों के लिए, खन्ना को 2025 में जम्मू कश्मीर सरकार द्वारा खेल के क्षेत्र में 'शेर–ए–कश्मीर' पुरस्कार से भी सम्मानित किया था. खन्ना कहते हैं कि उन्हें अपनी मां, सीमा खरियाल से प्रेरणा मिलती है, जो एक मैराथन धावक हैं और बारामूला तथा पटनीटॉप मैराथन की ब्रांड एंबेसडर हैं. उनकी बहन, सुदीप्ति खन्ना भी एक जिमनास्ट हैं और उन्हें भी इस वर्ष जम्मू कश्मीर सरकार द्वारा खेल के क्षेत्र में 'शेर–ए–कश्मीर' पदक से सम्मानित किया गया।

मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में 19 जुलाई को भिड़ेंगे भारत और पाकिस्तान के फाइटर

कुआलालंपुर (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ी एक बार फिर आमने सामने आने वाले हैं. लेकिन ये महा मुकाबला क्रिकेट का मैदान नहीं बल्कि मार्शल आर्ट्स का रिंग होगा। दरअसल मलेशिया के कुआलालंपुर में होने वाली मलेशिया स्ट्राइक एमएमएचैंपियनशिप में भारत के संग्राम सिंह और पाकिस्तान के आबिद अली आमने सामने होंगे।

इस बहुप्रतीक्षित मुकाबले का आयोजन रविवार, 19 जुलाई को होगा। ये भारतीय मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स के लिए एक ऐतिहासिक पल होगा, क्योंकि संग्राम प्रतिष्ठित एशिया चैंपियनशिप खिताब के लिए मुकाबला करने वाले पहले भारतीय फाइटर बन जाएंगे। बता दें कि संग्राम सिंह कॉमनवेल्थ हैवीवेट चैंपियन हैं और मलेशिया स्ट्राइक एमएमए चैंपियनशिप उनकी चौथी प्रोफेशनल एमएमए मुकाबला होगा।

संग्राम इस मुकाबले के बारे में क्या कहा? आने वाली चुनौती के बारे में बात करते हुए संग्राम ने कहा, 'हो सकता है कि मुझे अभी आबिद अली की उम्र के बारे में ज्यादा जानकारी न हो, लेकिन मैं जानता हूं कि वह एक अनुभवी फाइटर हैं जिन्होंने कई एमएमए मुकाबले जीते हैं. मलेशिया स्ट्राइक एमएमएचैंपियनशिप में एशिया चैंपियनशिप खिताब के लिए भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए अत्यंत गर्व की बात है।'

संग्राम ने आगे बताया कि इस मुकाबले के लिए वह 83-89 किलोग्राम भार वर्ग में हिस्सा लेंगे. उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले खेल मुकाबले से जुड़े दबाव को स्वीकार किया, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि यह चुनौती उन्हें और भी ज्यादा उत्साहित करती है।

भारतीय पहलवान संग्राम सिंह ने कहा, 'जब भी भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला होता है, तो स्वाभाविक रूप से भावनाएं चरम पर होती हैं, क्योंकि दोनों देशों के प्रशंसक हमेशा अपनी टीम की जीत चाहते हैं. इसमें दबाव तो होता है, लेकिन साथ ही उत्साह भी होता है. यह मेरे लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है और मैं पूरी एकाग्रता के साथ इसकी तैयारी कर रहा हूं।'

आज प्लेऑफ की जंग में आमने–सामने होंगे पंजाब किंग्स और आरसीबी

धर्मशाला (एजेंसी)। चैलेंजर बेंगुलरु के बीच आईपीएल 2026 का 61वां मुकाबला रविवार को धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जाएगा। प्लेऑफ की रेस के लिहाज से यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

लगातार हार से दबाव में पंजाब किंग्स–श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स ने इस सीजन शानदार शुरुआत की थी और शुरुआती सात में से छह मुकाबले जीते थे। लेकिन इसके बाद टीम की लय पूरी तरह बिगड़ गई और पीबीकेएस को लगातार पांच हार का सामना करना पड़ा। पंजाब फिलहाल 12 मैचों में 13 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर है। टीम को प्लेऑफ की उम्मीदें मजबूत करने के लिए यह मुकाबला हर हाल में जीतना होगा।

शानदार फॉर्म में आरसीबी–डिफेंडिंग चैंपियन आरसीबी इस सीजन बेहतरीन फॉर्म में नजर आई है।